सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

वर्ष- 17 अंक - 91 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 13 जनवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

मकर संक्रांति पर पतंगबाजी के लिए छतें किराए पर: 20 से डेढ़ लाख रुपए तक पहुंचा

अहमदाबाद। गुजरात में मकर संक्रांति का मतलब है पतंगबाजी। राज्य में पतंगबाजी की तैयारियां एक-दो महीने पहले से ही शुरू हो जाती हैं। इसके चलते पिछले कुछ वर्षों में 'छत पर्यटन' का चलन भी शुरू हो गया है। इस साल भी अहमदाबाद के पोल, खाडिया और रायपुर इलाकों में सभी ऊंची छतें बुक हो चुकी हैं। छतों का किराया 20 हजार से डेढ़ लाख रुपए तक जा पहुंचा है। ओल्ड अहमदाबाद में रहने वाले बड़ी संख्या में लोग अब विदेशों में बस गए हैं। इसलिए ये पतंगबाजी के साथ अपनी पुरानी यादें ताजा करने हर साल यहां आते हैं। दरअसल, रायपुर इलाके में शहर का सबसे बड़ा पतंग मार्केट भी है। इसके चलते यहां की पतंगबाजी भी पूरे अहमदाबाद में फेमस है। इसी मौके पर दिव्य भास्कर ने अहमदाबाद के इन इलाके में स्थानीय लोगों से बात की।

बंगाल में दो नर्सों में निपाह वायरस के लक्षण

नई दिल्ली/कोलकाता। पश्चिम बंगाल में निपाह वायरस के दो संदिग्ध मामले सामने आए हैं। न्यूज एजेंसी ने बंगाल स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी के हवाले से बताया कि उत्तर 24 परगना जिले के बारासात स्थित एक निजी अस्पताल में काम करने वाले दो नर्सों में निपाह वायरस के लक्षण पाए गए हैं। इनमें एक नर्स पुरुष और दूसरी महिला है। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। दोनों के सैंपल एम्स कल्याणी की वायरस रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक लैब में जांच के लिए भेजे गए थे। शुरुआती रिपोर्ट में निपाह संक्रमण की आशंका जताई गई है। एक नर्स नदिया जिले की रहने वाली है, जबकि दूसरी पूर्व बर्दवान जिले के कटवा का निवासी है। फिलहाल दोनों को उसी अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है, जहां वे काम करते हैं।

डिजिटल अरेस्ट मामले में केंद्र ने बनाई कमेटी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने डिजिटल अरेस्ट को लेकर सुप्रीम कोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की है और मामले पर डिटेल रिपोर्ट पेश करने के लिए एक महीने का समय मांगा। केंद्र ने स्टेटस रिपोर्ट में बताया है कि देश भर में डिजिटल अरेस्ट के सभी पहलुओं की जांच करने के लिए गृह मंत्रालय ने एक हाई-लेवल इंटर-डिपार्टमेंटल कमेटी का गठन किया गया है, जिसमें कई एजेंसियां शामिल हैं। कमेटी की अध्यक्षता गृह मंत्रालय के विशेष सचिव (आंतरिक सुरक्षा) कर रहे हैं। कमेटी में सीबीआई, एनआईए, दिल्ली पुलिस के आईजी रैंक के अधिकारी और इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर के सदस्य सचिव शामिल हैं। इनके अलावा, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय, दूरसंचार विभाग, विदेश मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, विधि एवं न्याय मंत्रालय, उपभोक्ता मामले मंत्रालय और आरबीआई के संयुक्त सचिव लेवल के अधिकारी भी कमेटी का हिस्सा हैं।

डॉग लवर्स पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, पूछा बच्चों पर हमले का जिम्मेदार कौन होगा

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- स्ट्रीट डॉग्स को खाना खिलाने वाले उन्हें घर ले जाएं

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बच्चे-बुजुर्गों पर आवारा कुत्तों के हमलों पर सख्त टिप्पणी की। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने कहा कि कुत्तों में एक खास तरह का वायरस होता है, जिसका कोई इलाज नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने सार्वजनिक सुरक्षा, जवाबदेही और डॉग लवर्स संगठनों की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए। अदालत ने खास तौर पर बच्चों और बुजुर्गों पर हो रहे हमलों को लेकर गहरी चिंता जताई। कोर्ट ने कहा- आवारा कुत्तों को खाना खिलाने वाले डॉग लवर्स एक काम करेंगे। कुत्तों को अपने घर ले जाएं।

जस्टिस मेहता ने कहा- जब कुत्ते 9 साल के बच्चे पर हमला करते हैं तो किसे जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए? क्या उस संगठन को जो उन्हें खाना खिला रहा है? क्या हम इस समस्या से आंखें मूंद लें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- उन लोगों पर जवाबदेही तय होनी चाहिए जो कह रहे हैं कि हम कुत्तों को खाना खिला रहे हैं, तो जिम्मेदारी किसकी बनती है। अदालत ने तीखा सवाल किया, क्या यह अदालत आंखें बंद कर ले और सब कुछ यूं ही होने दे? पीठ ने टिप्पणी की कि भावनाएं केवल कुत्तों के लिए दिखाई देती हैं, लेकिन पीड़ितों के दर्द और जान की कीमत को नजरअंदाज कर दिया जाता है। कोर्ट ने साफ संकेत दिए कि कुत्तों के काटने से मौत या गंभीर चोट के मामलों में राज्य सरकार को भारी मुआवजा देने का आदेश दिया जा सकता है।

पिछली सुनवाई के दौरान क्या हुआ था

अदालत ने संकेत दिया कि जब इस मामले में केंद्र और राज्य सरकारों की दलीलें सुनी जाएंगी, तो उनसे बेहद गंभीर सवाल पूछे जाएंगे। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कुत्तों पर कथित क्रूरता के वीडियो देखने से इनकार कर दिया था और कहा था कि वह इसे वीडियो की प्रतिस्पर्धा नहीं बनाना चाहता। कोर्ट ने यह भी कहा था कि कुत्तों द्वारा बच्चों और बुजुर्गों पर हमलों के भी वीडियो मौजूद हैं।

डॉग लवर्स की तय की जा सकती है जिम्मेदारी

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि जवाबदेही सिर्फ राज्य तक सीमित नहीं रहेगी। अदालत ने कहा कि डॉग लवर्स और उनका प्रतिनिधित्व करने वाले संगठनों पर भी जिम्मेदारी और कानूनी दायित्व तय किया जा सकता है। कोर्ट ने सवाल उठाया कि अगर कोई कुत्तों को पालना और खिलाना चाहता है, तो उन्हें अपने घर या परिसर में रखे, सार्वजनिक जगहों पर छोड़कर उन्हें घूमने और उपद्रव करने की छूट क्यों दी जाए। कुत्ते इधर-उधर गंदगी क्यों फैला रहे हैं, काट रहे हैं, लोगों को डरा रहे हैं। सरकार कुछ नहीं कर रही है।

आधी रात प्लांट में लगी आग, घंटों धधकता रहा एसएमएस 2, कड़ी मशक्कत से बुझी आग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट के एसएमएस 2 में सोमवार की रात को आग लगने से हड़कंप मच गया। यहां राज 10 बजे के बाद आग लगने की सूचना मिली और उसके बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंचने लगी। लगभग तीन से चार घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। बताया जा रहा है कि इस आग से काफी नुकसान हुआ। हालांकि अभी नुकसान का आंकलन नहीं किया जा सका।

भिलाई स्टील प्लांट के एसएमएस 2 के मेटल प्रोडक्शन साइड पर आग अचानक आग लग गई। इस घटना में प्लांट के केबल में आग लगने से बिजली गुल हो गई। वहीं, कर्मचारियों के लिए बनाए गए लॉकर को भी आग ने चपेट में ले लिया। कर्मचारियों का सामान जलकर खाक हो गया है। आग बुझाने के लिए कई लॉकर को तोड़ने भी पड़े। अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड-सेल के भिलाई स्टील प्लांट के स्टील मेल्टिंग शॉप-2 के तीनों कन्वर्टर में आग लगी। आग से जमीन पर बिखरे हॉट मेटल को देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि कन्वर्टर से हॉट मेटल गिरने की वजह से हादसा हुआ है। घटना से कर्मचारियों अफरा तफरी का माहौल देखने की मिली। बहरहाल इस मामले में अभी प्रोडक्शन साइड प्रभावित हुई है वही बीएसपी प्रबंधन नुकसान आकलन में जुट गई है।

रायपुर में चूड़ीवाले ने 5 दिन तक किया बच्ची का रेप

रायपुर। साल की बच्ची से 55 साल के अधेड़ द्वारा 5 दिनों तक दुष्कर्म करने की खबर आई है। आरोपी अब्दुल सज्जाद अंसारी बच्ची को चॉकलेट देकर अपने साथ ले जाता और उससे दुष्कर्म करता था। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। परिजनों द्वारा पूछताछ करने पर बच्ची ने पूरी आप बीती बताई, जिसके बाद परिवार ने पुलिस से संपर्क किया। बच्ची ने बताया कि चूड़ी वाला बूढ़ा उसे घर ले जाता और गंदा काम करता था। उसने धमकी दी थी कि किसी को बताने पर वह उसे जान से मार देगा।

आईवीएफ सेंटर्स के मामले में तमिलनाडु शीर्ष पर 669 है रजिस्टर्ड आईवीएफ सेंटर्स की संख्या

चेन्नई। तमिलनाडु देश में सबसे ज्यादा इन विट्रो फर्टिलाइजेशन सेंटर वाला राज्य बन चुका है। नेशनल असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी और सरोगेसी रजिस्ट्री के विश्लेषण के मुताबिक 6 जनवरी 2025 तक तमिलनाडु में रजिस्टर्ड आवीएफ क्लिनिक की संख्या 669 है। कुल प्रजनन दर 1.3 है, जबकि गुजरात की प्रजनन दर भी इसी के आसपास 1.4 से 1.5 के बीच मानी जाती है। यहां तमिलनाडु के मुकाबले करीब आधे रजिस्टर्ड आईवीएफ सेंटर हैं।

एक्सपर्ट के मुताबिक आईवीएफ की मांग बच्चों की संख्या से नहीं बल्कि शादी और पहले बच्चे के समय से तय होती है। तमिलनाडु में महिलाओं की ऊंची शिक्षा, औपचारिक रोजगार और शहरी जीवनशैली के कारण विवाह और मातृत्व देर से होता है। इससे उनकी बायलॉजिकल फर्टिलिटी घटती है, लेकिन संतान की इच्छा बनी रहती है। इसलिए आईवीएफ की मांग बढ़ रही है। गुजरात में आईवीएफ की जरूरत सीमितगुजरात में परंपरागत पारिवारिक ढांचा और कम उम्र में विवाह अब भी आम है, जिससे प्राकृतिक गर्भधारण की संभावना अधिक रहती है और आईवीएफ की जरूरत सीमित रहती है। आय भी बड़ा कारण है। तमिलनाडु की प्रति व्यक्ति आय 3.61 लाख रही, जिससे आईवीएफ बड़ी आबादी की पहुंच में आ सके।

5 गांव में 2000 किसानों के नाम पर फर्जी लोन 30 हजार लिया, खाते में चढ़ाए 3 लाख रुपए

श्रीकंचनपथ न्यूज

सरगुजा। सरगुजा जिले के केरजू सहकारी समिति के किसान फर्जी लोन के कारण कर्जदार हो गए हैं। किसानों के मुताबिक उन्होंने जितना कर्ज लिया, उससे काफी अधिक रकम उनके खाते में बतौर लोन दर्ज है। धान बेचने पहुंचने वाले किसानों की रकम लोन में एडजस्टमेंट हो रही है। सोमवार को करीब 200 से अधिक किसान कलेक्ट्रेट पहुंचे।

पूर्व मंत्री अमरजीत भगत भी किसानों के साथ कलेक्टर से मिले और जांच की मांग रखी। पूर्व मंत्री ने कहा कि फर्जी लोन की रकम करोड़ों में है। करीब दो हजार से अधिक किसानों के नाम से फर्जी लोन निकाला गया है। सरगुजा कलेक्टर अजीत वसंत ने कहा कि टीम बनाकर मामले की जांच कराई जाएगी।

5 गावों के लोगों के नाम निकला फर्जी लोन

सीतापुर की सहकारी समिति केरजू में 5 गांव केरजू, कुनमेरा, ढोढ़ागांव, बंशीपुर और हरदीडांड गांव आते हैं। फर्जी लोन की जानकारी किसानों को समर्थन मूल्य में धान बेचने के बाद मिली। जब किसानों ने धान बेचा और पैसे लेने सहकारी बैंक पहुंचे तो पता चला कि उनके नाम पर लाखों का लोन है और धान बिक्री की राशि लोन में एडजस्टमेंट हो गई है।

कार्रवाई : कोरबा में महिला पटवारी निलंबित, तहसीलदार को नोटिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ में किसान के खुदकुशी की कोशिश मामले में सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। पटवारी कामिनी कारे को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही तहसीलदार हरदीबाजार अभिजीत राजभानु को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है। यह मामला कोरबा जिले के हरदीबाजार थाना क्षेत्र का है।

धान खरीदी के तहत गिरदावरी में छूटे कृषकों के रकबा सुधार और ऑनलाइन मैपिंग का कार्य प्रगति पर है। इसी के तहत हरदीबाजार के ग्राम नोनबिर्रा, उड़ता एवं पूटा के कृषकों के रकबा की ऑनलाइन मैपिंग की गई थी। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, पाली द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार संबंधित पटवारी कामिनी कारे द्वारा अनेक कृषकों का क्षेत्र निरीक्षण एवं सत्यापन नहीं किया गया, जिसके कारण प्रभावित कृषक धान उपार्जन केंद्रों में अपना धान विक्रय नहीं कर पा रहे हैं। यह कृत्य शासन के निर्देशों की अवहेलना, कार्य के प्रति उदासीनता एवं स्वेच्छाचारिता का परिचायक पाया गया है। उक्त कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 03 का उल्लंघन एवं कदाचार की श्रेणी में पाया गया है। इसे ध्यान में रखते हुए पटवारी कामिनी कारे तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय तहसील कार्यालय पाली निर्धारित किया गया है।

रायपुर के बार में लडकी का मर्डर : बॉयफ्रेंड ने बोतल से सिर-आंख फोड़ा, गले लगाकर भागा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में युवती के मर्डर का लाइव वीडियो सामने आया है। जहां आजाद चौक के एक बियर बार में गुस्साए साथी ने शराब की बोतल उठाई और युवती का सिर, आंख फोड़ दिया। 23 दिन बाद इलाज के दौरान युवती ने दम तोड़ दिया। मामला आजाद चौक थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है दोनों के बीच अफेयर था। घटना के बाद बचाव में युवती चिखती रही तो युवक ने उसे बाल खींचकर गिराया और मारा। पूरी घटना का ष्टष्टञ्जङ्क सामने आया है। मारने के बाद युवक ने युवती को गले लगाया और शराब भी पीता रहा। किस बात के विवाद में मर्डर हुआ इसकी जांच पुलिस कर रही है। इसका वीडियो वायरल है।

घटना 21 दिसंबर 2025 की है। रायपुर के गीता नगर निवासी वेदिका सागर अपने परिचित टी. सुनील राव उर्फ शीनू (28) के साथ आजाद चौक के जिलेट बार गई हुई थी। दोनों दोपहर 3 बजे बार पहुंचे। जहां उन्होंने खाने में नॉनवेज और शराब ऑर्डर किया। वीडियो में देखा जा सकता है कि दोनों बैठे हुए थे। टेबल पर खाना लगा था। इस दौरान अचानक किसी बात को लेकर युवती भड़की और शराब की बोतल उठाई फिर वापस रख दिया। इसके बाद शीनू अचानक भड़का और गुस्से में आकर पहले सीने में थप्पड़ मारा और फिर सिर में तीन बार बोतल मारी, जिससे उसकी आंख और सिर दोनों फट गया था। बार संचालक की सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवती को उपचार के लिए भर्ती कराया। तब से वह गंभीर घायल युवती का इलाज जारी था। 12 जनवरी को उसने दम तोड़ दिया। परिजनों की सूचना पर आरोपी को गिरफ्तार करके पुलिस ने जेल दाखिल करवा दिया।

जंबूरी में भ्रष्टाचार पर विशेष न्यायालय में कांग्रेस पार्टी ने लगाई याचिका

■ शिक्षामंत्री और जिला प्रशासन पार्टी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बालोद में शिक्षा विभाग द्वारा चार दिवसीय जंबूरी आयोजन किया गया। इसमें सत्ता पक्ष और विपक्ष के अलावा सत्ताधारी पार्टी के भी दिग्गज नेताओं के भिड़ने के चलते यह चर्चा में है। अब जंबूरी में भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस अदालत पहुंच गई है। कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री सुबोध हरितवाल के द्वारा राष्ट्रीय रोवर रेंजर जंबूरी में भ्रष्टाचार का आरोप लगा एसीबीङ्क ईओडब्ल्यू की विशेष कोर्ट में याचिका दाखिल की है। याचिका को कोर्ट ने स्वीकार भी कर लिया है जिसमें 20 जनवरी को सुनवाई होगी।

बालोद जिले के ग्राम दुधली में राष्ट्रीय रोवर रेंजर जंबूरी का आयोजन 9 से 13 जनवरी तक किया जा रहा है। पहले रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने स्वयं को स्काउट गाइड का राज्य अध्यक्ष बताते हुए जंबूरी के आयोजन को स्थगित करने का निर्णय लिया था, मगर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने स्वयं को स्काउट गाइड का पदेन अध्यक्ष बताते हुए आयोजन को जारी रखा। अध्यक्ष की विवाद को लेकर बृजमोहन अग्रवाल पहले ही हाईकोर्ट बिलासपुर में याचिका दाखिल कर चुके हैं। हालांकि इस मामले में प्रदेश के शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने पूरी पारदर्शिता और निविदा प्रक्रिया के मापदंडों को पूरा कर कार्य करवाने की बात कही है।

स्टेज डांस में श्लील क्या, अश्लील क्या

गरियाबंद के उरमाल में युवा समिति ने 6 दिवसीय ऑपेरा का आयोजन किया था। मैनपुर एसडीएम से अनुमति भी ली थी। एसडीएम इस कार्यक्रम में शामिल भी हुए। आर्केस्ट्रा के इस कार्यक्रम में ओडिशा से जय दुर्गा ओपेरा कटक की डांसर्स बुलाई गई थीं। कार्यक्रम के वायरल वीडियो के अनुसार डांसर्स ने मंच पर कपड़े उतारे और अश्लील हरकतें कीं। एसडीएम इसका वीडियो बनाते भी नजर आए। वीडियो सामने आने के बाद डांसर्स का किस लेने वाले तीन पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। एसडीएम तुलसीदास को भी हटा दिया गया है। अब चलते हैं इस संस्कृति के पीछे। यूपी बिहार के रसूखदार परिवारों में विवाह समारोहों में नाचने वालियों को बुलाया जाता है। कहीं-कहीं इनका शारीरिक शोषण भी होता है। वैसे भी देश के अन्य भागों में उच्च शिक्षित तथा धनाढ्य वर्ग में आजकल शादी से पहले बैचलर्स पार्टियां होती हैं। दूल्हा और दुल्हन अपने-अपने दोस्तों या सहेलियों के साथ खूब मस्ती करते हैं। दूल्हे की बैचलर पार्टी में डांसर्स और सेक्सवर्कर्स भी बुलाई जाती हैं। कुछ ही दिन पहले इसी तरह की एक घटना संभल के हयातनगर के गांव घुंघावली से सामने आई थी। यहां शादी से पहले मढ़ा कार्यक्रम के दौरान बार बालाओं के अश्लील डांस का वीडियो वायरल हो गया था। ओडीशा के सम्बलपुर में एक बड़ा ग्रीष्मकालीन आयोजन होता है। शीतलषष्ठी में शिवजी की बारात निकलती है। देश भर के किन्नर इसमें जुटते हैं। भूखे प्यासे वे दिन भर और रात भर तपती सड़क पर नंगे पांव नृत्य करती हैं। फिर इसमें खुले ट्रॉलों का भी इस्तेमाल होने लगा। आंध्र प्रदेश और कटक से डांसर्स बुलाई जातीं जो इन चलित मंचों पर नृत्य करती। अंधेरा होते ही अश्लील नृत्य शुरू हो जाते। भीड़ इसी के लिए जुटती। हालांकि बाद में इसे बंद करवा दिया गया। दरअसल, आदिम इच्छाएं किसी ने किसी रूप में प्रकट हो ही जाती हैं। फिर गुस्सा कैसा? यह सब होता तो सदियों से रहा है। पर जब से स्मार्ट फोन आया है, इसके वीडियो वारयल होने लगे हैं। फिर शर्मसार समाज और प्रशासन को कोई न कोई प्रतिक्रिया तो देनी ही पड़ती है।

तनाव ने ली नर्स की जान इंद्रावती में मिला शव

जगदलपुर। शहर के इंद्रावती नदी में दो दिन पहले मिले महिला के शव की शिनाख्त कर ली गई है, मृतिका पथरागुड़ा निवासी संगीता के रूप में हुई है। कोतवाली थाना क्षेत्र के पथरागुड़ा मानसिंह गली निवासी संगीता कश्यप 32 वर्ष जो नर्सिंग की पढ़ाई करने के बाद मेडिकल कॉलेज डिमरापाल में कुछ वर्षों तक स्टाफ नर्स के रूप में पदस्थ थी। कुछ दिन बाद अचानक से मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण नौकरी छोड़ दी। 11 जनवरी की दोपहर को अपने घर से पैदल घूमने निकली, जहां वापस लौटकर नहीं आई, परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कहीं भी पता नहीं चला, वहीं पुलिस पांच दिनों से लापता अंश के शव की खोजबीन करने के दौरान एक अज्ञात महिला का शव बरामद किया था। जब परिजनों ने शव की शिनाख्त संगीता के रूप में की।

संपादकीय

जानलेवा सड़कें

देश में आए दिन होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को लेकर सरकार और समाज के स्तर पर चिंताएं तो व्यक्त की जाती हैं लेकिन इन्हें रोकने के लिये कारगर उपाय सिरे चढ़ते नजर नहीं आते। इस बारे में बार-बार वायदे किए जाते हैं, वहीं सुधार के लिये टुकड़ों-टुकड़ों में हस्तक्षेप किया जाता है। फ्लत: परिणाम वही ढाक के तीन पात रहता है। यह आंकड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में हर साल 1.6 लाख से अधिक मौतें सिर्फसड़क दुर्घटनाओं में होती हैं। विडंबना देखिए कि किसी भी सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति के मुकाबले सड़क दुर्घटनाएं ज्यादा लोगों की जान ले लेती हैं। हाल ही में सेव लाइफ फाउंडेशन द्वारा सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय के लिये किए गए सर्वेक्षण में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। संस्था द्वारा वर्ष 2023 व 2024 में 100 जिलों में सड़क दुर्घटनाओं पर किए गए सर्वेक्षण की रिपोर्ट में कहा गया है कि शाम छह बजे से रात नौ बजे तक समय सड़क हादसों के लिये सबसे घातक होता है। इसके अलावा दुर्घटनाओं की संख्या में कमी लाने के लिये 18 सड़क गलियारों की पहचान की गई है, जिनमें सर्वेक्षण अवधि में सबसे अधिक मौते हुई थीं। इसके साथ ही दुर्घटना की दृष्टि से संवेदनशील सौ जिलों में ध्यान केंद्रित करने पर बल दिया गया है। निश्चित रूप से यह स्वागत योग्य पहल है। यह जानते हुए कि दुर्घटना रोकने के लिये सामान्य सलाह और एक समान नीतियां लक्ष्य हासिल करने में विफल रही हैं। यकीनी तौर पर दुर्घटना उन्मुख क्षेत्रों में लक्षित हस्तक्षेप बदलाव लाने के लिये बेहतर दृष्टिकोण साबित हो सकता है। बहुत संभव है कि एक खराब ढंग से डिजाइन किया गया मोड़, सड़क पर पर्याप्त रोशनी का न होना, प्रवर्तन में शिथिलता तथा ड्राइविंग में लापरवाही की आदतें, किसी क्षेत्र या जिला विशेष में सड़क दुर्घटनाओं की वजह हो सकती है। निश्चित तौर पर उच्च मृत्यु दर वाले गलियारों का मानचित्रण अधिकारियों को, उन क्षेत्रों में इंजीनियरिंग सुधार, प्रवर्तन और आपातकालीन प्रतिक्रिया बल तैनात करने में सहायक हो सकता है।

> “ निस्संदेह, अन्य शहरों को भी डेटा आधारित पुलसिंग, सीसीटीवी निगरानी और यातायात नियमों के उल्लंघन पर कड़ी निगरानी रखने के लिये इस मॉडल को अपनाना होगा।

निस्संदेह, साक्ष्य और अतीत के अनुभव बताते हैं कि लक्षित प्रवर्तन बेहतर परिणाम दे सकता है। बंगलुरू का अनुभव बताता है कि लक्षित प्रयासों से वहां लगातार दूसरे वर्ष सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि के बावजूद मृत्यु दर में कमी आई है। जो इन प्रयासों की सार्थकता को दर्शाता है। निस्संदेह, अन्य शहरों को भी डेटा आधारित पुलसिंग, सीसीटीवी निगरानी और यातायात नियमों के उल्लंघन पर कड़ी निगरानी रखने के लिये इस मॉडल को अपनाना होगा। इसमें दो राय नहीं कि केंद्र सरकार की योजना तभी सफल होगी, जब वह पहचान और प्रतीकात्मकता से आगे बढ़कर काम करे। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि सड़क सुरक्षा से जुड़ी पिछली कोशिशें केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और स्थानीय अधिकारियों के बीच बेहतर तालमेल न होने से विफल रही हैं। इन सुरक्षा उपायों के क्रियान्वयन में व्याप्त कमियों को दूर करने के लिये निरंतर वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने, कार्यान्वयन एजेंसियों की जवाबदेही तय करने के साथ ही परिणामों का नियमित ऑडिट करना आवश्यक है। इस बाबत सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि राज्यों को कार्रवाई करने के लिये सशक्त बनाया जाना चाहिए। वैसे सिर्फ राजमार्गों पर ही ध्यान केंद्रित करने के भी कई खतरे हैं। यह जानते हुए कि देश में राष्ट्रीय राजमार्ग सड़क नेटवर्क का मुश्किल से 2 से तीन प्रतिशत हिस्सा ही है। लेकिन ट्रैफिक की गति की तीव्रता के चलते इन पर होने वाली मौतों की संख्या कहीं ज्यादा है। साल 2025 की पहली छमाही ही में करीब छब्बीस हजार से अधिक मौतें हुई हैं। वास्तव में शहरी सड़कें, जहां पैदल यात्री,साइकिल चालक और दोपहिया वाहन चालकों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या का बड़ा हिस्सा है, वे अक्सर उपेक्षित रह जाती हैं। इन सड़कों को बेहतर बनाने के लिये निवेश बढ़ाए जाने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर सुरक्षित डिजाइन तैयार करने, वाहनों की गति का प्रबंधन करने, हेलमेट और सीट बेल्ट बांधना सुनिश्चित करने तथा आपातकालीन देखभाल व्यवस्था को साथ-साथ लागू करने की भी आवश्यकता है।

बच्चों को जीवंत दुनिया से जोड़ने की दिशा में पहल

डॉ. जगदीप सिंग

डिजिटल युग में बच्चों द्वारा स्कूलों में समाचारपत्र पढ़ना अनिवार्य करने का निर्णय बदलावकारी कदम साबित हो सकता है। यदि वे रोज 10 मिनट भी समाचार पत्र पढ़ें, तो वर्षों में यह आदत उनके व्यक्तित्व, कैरियर और दृष्टिकोण को बदल सकती है। वहीं यह पहल बच्चों में एकाग्रता बढ़ाने की स्क्रीन टाइम कम करने में सहायक होगी।

उत्तर प्रदेश और राजस्थान में विद्यार्थियों के लिए स्कूलों में समाचारपत्र पढ़ना अनिवार्य करने का निर्णय शिक्षा जगत में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में उभरा है। दिसंबर, 2025 में उत्तर प्रदेश के सभी सरकारी और माध्यमिक स्कूलों में प्रार्थना सभा के बाद कम से कम 10 मिनट समाचार पत्र वाचन अनिवार्य कर दिया गया। इसके एक सप्ताह बाद, जनवरी 2026 की शुरुआत में राजस्थान में भी ऐसा ही आदेश जारी किया गया। जिसमें सभी सरकारी स्कूलों में प्रार्थना सभा के दौरान 10 मिनट का विशेष सत्र समाचार पत्र पढ़ने के लिए तय किया गया है। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में नियमित पढ़ने की आदत विकसित करना, उनकी शब्दावली समृद्ध करना, सामान्य ज्ञान बढ़ाना और समसामयिक घटनाओं के प्रति जागरूकता पैदा करना है।

यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब डिजिटल युग में मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और स्क्रीन-आधारित सामग्री ने बच्चों का अधिकांश समय छीन लिया है। गहराई से पढ़ने की क्षमता व ध्यान केंद्रित करने की अवधि घट रही है और भाषा कौशल में कमी आ रही है। ऐसे में समाचार पत्र जैसी मुद्रित सामग्री को अनिवार्य बनाना बच्चों को स्क्रीन से दूर कर वास्तविक जानकारी के संपर्क में लाने का प्रयास है। उत्तर प्रदेश में इस आदेश के अनुसार, स्कूलों की लाइब्रेरी में हिंदी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं के समाचार पत्र उपलब्ध कराए जाएंगे तथा प्रार्थना के बाद विद्यार्थी बारी-बारी राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय, खेल समाचार और संपादकीय पढ़कर सुनाएंगे। राजस्थान में भी यही व्यवस्था अपनाई गई, जहां उच्च माध्यमिक व अंग्रेजी मीडियम स्कूलों में न्यूनतम एक हिंदी व एक अंग्रेजी अखबार तथा उच्च प्राथमिक स्कूलों में दो हिंदी अखबार जरूरी हैं। इनकी सदस्यता का खर्च राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद द्वारा वहन किया जाएगा।

इस पहल के सबसे प्रमुख प्रभावों में से एक है भाषा कौशल और शब्दावली में सुधार। समाचार पत्रों में इस्तेमाल होने वाली भाषा औपचारिक, विविध और समृद्ध होती है। बच्चे रोजाना नए शब्दों, मुहावरों और वाक्य संरचनाओं से परिचित होते हैं। राजस्थान के आदेश में कहा गया है कि प्रतिदिन 5 नए शब्दों का चयन कर उन्हें समझाया जाएगा, जिससे छात्रों का शब्द भंडार लगातार बढ़ेगा। यह न केवल हिंदी या अंग्रेजी की परीक्षाओं में मदद करेगा, बल्कि बोलचाल, लेखन और संवाद कौशल भी मजबूत करेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, मुद्रित सामग्री पढ़ने से आंखों की गति, समझने की क्षमता और ध्यान केंद्रित करने की अवधि में सुधार आता है, जो डिजिटल स्क्रीन पर संभव नहीं होता।

दूसरा अहम प्रभाव सामान्य ज्ञान और समसामयिक जागरूकता में वृद्धि है। आजकल प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे यूपीएससी, एसएससी, बैंकिंग, राज्य लोक सेवा आयोग और यहां तक कि बोर्ड परीक्षाओं में भी करेंट अफेयर्स का बड़ा हिस्सा होता है। समाचारपत्र नियमित पढ़ने से बच्चे देश-विदेश की घटनाओं, नीतियों, आर्थिक बदलावों, पर्यावरण मुद्दों और वैज्ञानिक प्रगति से जुड़ते हैं। इससे उनका दृष्टिकोण व्यापक होता है और वे समाज के प्रति जिम्मेदार बनते हैं। मसलन जब कोई छात्र रोजाना संपादकीय पढ़ता है, तो उसकी विभिन्न मुद्दों पर तर्कपूर्ण सोच विकसित होती है, जो आलोचनात्मक चिंतन की नींव है।

तीसरा, यह कदम पढ़ने की संस्कृति को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होगा। ग्रामीण क्षेत्र और छोटे शहरों के सरकारी स्कूलों में अक्सर बच्चों के घर समाचार पत्र नहीं पहुंचते। कई परिवारों में आर्थिक तंगी या पढ़ने की परंपरा न होने के कारण बच्चे किताबों और अखबारों से दूर रहते हैं। स्कूलों में इसे अनिवार्य करने से हर बच्चे को समान अवसर मिलेगा। शिक्षाविदों का कहना है कि यदि यह आदत बचपन से ही बन जाए, तो वयस्क होने पर भी व्यक्ति समाचार पत्र या किताबें पढ़ना जारी रखता है, जो लोकतंत्र के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसके अलावा, यह पहल स्क्रीन टाइम को कम करने में भी सहायक होगी। विशेषज्ञों के अनुसार, अधिक स्क्रीन टाइम से बच्चों में ध्यान की कमी, नींद संबंधी समस्याएं, शारीरिक निष्क्रियता और मानसिक तनाव बढ़ रहा है। समाचार पत्र पढ़ना एक शांत, गहन और एकाग्रता वाली गतिविधि है, जो डिजिटल डिटॉक्स का एक छोटा लेकिन प्रभावी रूप है।

हालांकि, दोनों राज्यों में इस निर्णय के समक्ष कुछ चुनौतियां भी हैं। पहली चुनौती है कार्यान्वयन। ग्रामीण क्षेत्रों में समाचार पत्रों की समय पर डिलीवरी, शिक्षकों की कमी या उनकी ट्रेनिंग का अभाव, तथा स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं का कम होना कार्य को कठिन बना सकता है। दूसरी बात, कुछ विद्यार्थी शुरू में इसे बोझ समझ सकते हैं, खासकर यदि वे हिंदी या अंग्रेजी में कमजोर हैं। तीसरा, समाचार पत्रों का कंटेंट हमेशा बच्चों के लिए उपयुक्त नहीं होता। राजनीतिक खबरें, आपराधिक घटनाएं या संवेदनशील मुद्दे बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इसलिए शिक्षकों को ये खबरें फिल्टर करने और सकारात्मक ढंग से प्रस्तुत करने की जरूरत होगी।

चुनौतियों के बावजूद, यदि इस योजना को सही ढंग से लागू किया जाए तो इसका दूरगामी प्रभाव बहुत सकारात्मक होगा। भविष्य में अन्य राज्य भी इस मॉडल को अपनाएं तो एक राष्ट्रीय स्तर पर पढ़ने की संस्कृति मजबूत हो सकती है। यह बच्चों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उन्हें जीवंत दुनिया से जोड़ता है। यदि बच्चे रोजाना 10 मिनट भी समाचार पत्र पढ़ें, तो वर्षों में यह आदत उनके व्यक्तित्व, कैरियर और जीवन दृष्टिकोण को पूरी तरह बदल सकती है।

लेखक असिस्टेंट प्रोफेसर हैं।

चीन से क्या हम भाषायी बोध सीख सकते हैं

उमेश चतुर्वेदी

हिंदी के संदर्भ में देखें तो राजभाषा और राष्ट्रभाषा के बीच शाब्दिक ही नहीं, भावात्मक फर्क भी है। फिर भी एक बड़ा वर्ग हिंदी को राष्ट्रभाषा भी मानता है। यही वजह है कि हर साल ग्रेगोरियन कैलेंडर के नौवें महीने की दस्तक के साथ ही, हर सरकारी दफ्तर राजभाषा पखवाड़े या महीने को लेकर उत्साह से भर उठता है। कुछ ऐसा ही पड़ोसी चीन में भी अब होता नजर आ रहा है। अब वहां सितंबर का तीसरा सप्ताह 'राष्ट्रीय सामान्य भाषा और लिपि' को समर्पित होगा। भारत और चीन के सितंबर महीने के भाषायी उत्साह में एक अंतर रहेगा, राष्ट्रभाषा बनाने की आस में हिंदी के राजभाषा ओहदे को याद किया जाएगा, जबकि चीन अपनी मंदारिन भाषा को बाकायदा राष्ट्रभाषा के तौर पर और आगे बढ़ाने की ओर अग्रसर होगा।

भाषायी चिंतन और व्यवहार को लेकर भारत और चीन को लेकर तकरीबन एक ही सोच है। भारत में एक मानस ऐसा है, जिसे हिंदी की कीमत पर भी पर अंग्रेजी स्वीकार्य है। यह धारा मानती है कि वेगवान आर्थिक विकास की वजह से चीन का भाषायी व्यवहार भी इसी भारतीय मानस की तरह बदल चुका है। बेशक चीन ने अंग्रेजी सीखने-सिखाने की दिशा में भरपूर निवेश किया है। अपनी आर्थिक ताकत के चलते पश्चिम के नामी विश्वविद्यालयों में चीनी सत्ता प्रतिष्ठान अपने लिए अध्ययन पीठ स्थापित कर चुका है। गौर करने की बात है कि उसने यह सब अलग और अतिरिक्त अनुशासन और ज्ञान के साधन के तौर पर किया है, भारत की तरह अपनी भाषा, विशेषकर हिंदी की कीमत पर ऐसा नहीं किया है।

अंग्रेजी का पहला वैश्विक विस्तार ब्रिटिश उपनिवेशीकरण के दौर में हुआ और दूसरी बार उसका प्रसार रीगन-थैचर की जोड़ी के आर्थिक उदारीकरण के बढ़ते कदमों के साथ हुआ। इस संदर्भ में चीन और भारत के भाषायी चिंतन और व्यवहार फर्क साफ नजर आता है। पिछली सदी के अस्सी के दशक में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख देंग झिआओपिंग ने आर्थिक खुलेपन की नींव रखी। यह 1978 का साल था। इसके ठीक दो साल बाद भारत में इंदिरा गांधी की सत्ता में वापसी हुई और उन्होंने भी धीरे-धीरे इंस्पेक्टर राज कम करने की शुरूआत की। उनकी उदारीकरण की सोच को राजीव गांधी ने परवान चढ़ाया। 1991 के आम चुनावों के घोषणा पत्र में कांग्रेस ने पहली बार समाजवादी आर्थिक नीतियों के बरक्स उदारीकरण का वादा किया। तब से अब तक की दोनों देशों की आर्थिक विकास यात्रा को देखें तो अंतर साफ नजर आता है। चीन आज अमेरिका के बाद दुनिया की दूसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति है। उसकी तेज आर्थिक यात्रा के समानांतर अंग्रेजी का विस्तार नहीं दिखता। जबकि भारत में इसके ठीक उलट नजारा दिखता है।

उदारीकरण के बरक्स दोनों देशों के भाषायी चिंतन में भी फर्क नजर आता है। यह फर्क ही है कि चीन अब अपनी मंदारिन भाषा और उसकी लिपि को लेकर सितंबर महीने के तीसरे हफ्ते को समर्पित कर रहा है। चीन की सर्वोच्च विधि निर्माता संस्था 'राष्ट्रीय जन प्रतिनिधि सभा' की स्थाई समिति द्वारा बीते 27 दिसंबर को इससे जुड़ा कानून पारित करना इसी सोच का प्रतीक है। इस कानून में हर वर्ष सितंबर के तीसरे सप्ताह को 'राष्ट्रीय सामान्य भाषा और लिपि संवर्धन एवं प्रचार सप्ताह' के रूप में मनाना तय किया गया है। यह कानून पुराने राष्ट्रीय भाषा कानून में संशोधन के बाद आया है। चीन में दो तरह की मंदारिन का प्रयोग होता है, एक लिखित और दूसरी मौखिक। इस कानून में दोनों तरह की भाषाओं का ध्यान रखा गया है।

चीन अपनी भाषा और लिपि को अपने राष्ट्र का प्रतीक मानता है। चीन में इन दिनों प्रौद्योगिकी और डिजिटल जगत में लगातार प्रगति हो रही है। यहां ऑडियो-विजुअल प्रोग्रामिंग और गेमिंग भी बढ़ी है। चीन का भाषायी कानून इन सबमें इस्तेमाल होने वाली भाषा के साथ कदमताल करने का प्रयास है। कहा जा सकता है कि चीनी राष्ट्रभाषा और लिपि कानून में यह संशोधन तेजी से विकसित हो रही संचार प्रौद्योगिकियों और ऑनलाइन सामग्री के विस्तार के बीच भाषा के मानकीकरण को मजबूत करने की कोशिश है। इस कानून में साइबरस्पेस प्रशासन को लेकर भी व्यवस्था की गई है। इसके तहत अब ऑनलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रमों, वेब सीरीज, ऑनलाइन फिल्मों, ऑनलाइन गेम और अन्य डिजिटल प्रकाशनों में मानक चीनी भाषा यानी मंदारिन और मानकीकृत चीनी अक्षरों को मूल भाषा के रूप में उपयोग करना जरूरी होगा। इसके साथ ही चीन में होने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों, कॉन्फ्रेंस, इवेंट्स आदि के साइनबोर्ड, लेबल या प्रमोशनल मैटीरियल में विदेशी भाषाओं के साथ ही मानक चीनी भाषा भी शामिल करने पर जोर दिया गया है। इसकी तुलना में भारतीय राष्ट्रभाषा और आधुनिक प्रौद्योगिकी संग उसके तालमेल पर नजर डालें साफ फर्क नजर आता है। भारत अब भी राष्ट्रभाषा से दूर है। हिंदी को राष्ट्रभाषा मानने वाली ताकतों के सुर भी अब धीमे पड़ते जा रहे हैं। लेकिन चीन अपने आर्थिक उदारीकरण के बावजूद अपनी भाषा की ओर लौटता नजर आ रहा है।

इसके साथ ही चीन के भाषायी आंकड़ों पर भी नजर डालना जरूरी है। यहां की करीब 80 प्रतिशत से ज़्यादा आबादी मंदारिन बोल सकती है। चीन में करीब 97.33 प्रतिशत लोग साक्षर हैं। इनमें करीब 95 प्रतिशत से ज़्यादा लोग मानक चीनी अक्षरों का प्रयोग करते हैं। चाइना इंटरनेट नेटवर्क इन्फॉर्मेशन सेंटर की ताजा रिपोर्ट के अनुसार बीते जून तक चीन में एक अरब 12 करोड़ से ज़्यादा इंटरनेट यूज़र थे। इसी रिपोर्ट के अनुसार, चीन में इंटरनेट इस्तेमाल की दर 79.7 प्रतिशत तक पहुँच गई है। भाषायी कानून में इन आंकड़ों के मद्देनजर सरकारी और पब्लिक सर्विस वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन के लिए भी सरकारी नियमों और मानकों के अनुसार, राष्ट्रीय मानक भाषा का इस्तेमाल जरूरी हो गया है। इस कानून का लक्ष्य चीनी राष्ट्र के प्रति मजूबत सामुदायिक भावना का विकास और सांस्कृतिक आत्मविश्वास की मज़बूती है। कानून इस बात पर भी ज़ोर देता है कि बोली और लिखी जाने वाली मानक चीनी भाषा के इस्तेमाल का मकसद राष्ट्रीय संप्रभुता, एकता और जातीय एकजुटता बनाना होना चाहिए। यह कानून शिक्षा में भी मानक चीनी भाषा की भूमिका पर ज़ोर देता है।

कोशिकाओं से चिप पर बन रहे हैं मानव अंग

मुकुल व्यास

इंग्लैंड के फ्रांसिस क्रिक इंस्टिट्यूट और स्विस कंपनी, एल्वियोलिक्स के शोधकर्ताओं ने सिर्फ एक व्यक्ति से ली गई स्टेम कोशिकाओं का इस्तेमाल करके चिप पर मानव फेफड़े का पहला मॉडल विकसित किया है। ये चिप एक व्यक्ति में सांस लेने की गति और फेफड़ों की बीमारी को उत्पन्न करते हैं, जिससे टीबी जैसे संक्रमण के इलाज का परीक्षण करने और व्यक्ति विशेष दवा देने की उम्मीद जगी है। मनुष्य के रोगों को बेहतर ढंग से समझने और उनका प्रभावी उपचार खोजने के लिए वैज्ञानिक निरंतर नए तरीके विकसित कर रहे हैं। कुछ वैज्ञानिक इंसानी कोशिकाओं से चिप पर शरीर के अंग उगा रहे हैं जबकि कुछ रिसर्चर अंगों के डिजिटल संस्करण बनाने की चेष्टा कर रहे हैं। इंग्लैंड के फ्रांसिस क्रिक इंस्टिट्यूट और स्विस कंपनी, एल्वियोलिक्स के शोधकर्ताओं ने सिर्फ एक व्यक्ति से ली गई स्टेम कोशिकाओं का इस्तेमाल करके चिप पर मानव फेफड़े का पहला मॉडल (लंग-ऑन-चिप) विकसित किया है। ये चिप एक व्यक्ति में सांस लेने की गति और फेफड़ों की बीमारी को उत्पन्न करते हैं, जिससे टीबी जैसे संक्रमण के इलाज का परीक्षण करने और व्यक्ति विशेष दवा देने की उम्मीद जगी है।

दरअसल, फेफड़ों में एल्वियोली नामक हवा की थैली गैस के आदान-प्रदान के लिए आवश्यक जगह होती है और साथ ही यह थैली सांस से अंदर जाने वाले वायरस और बैक्टीरिया के खिलाफ अवरोधक का भी काम करती है। ये रोगाणु फ्लू या टीबी जैसी सांस की बीमारियां पैदा करते हैं। शोधकर्ता चिप पर फेफड़े बनाकर प्रयोगशाला में मानव कोशिकाओं और बैक्टीरिया के बीच होने वाले द्वंद्व को पुनर्निर्मित कर रहे हैं। प्लास्टिक की इस चिप पर मानव फेफड़ों की छोटी इकाइयां हैं जिनमें छोटी-छोटी नलियां और कम्पार्टमेंट होते हैं। इस मामले में, उनका मकसद हवा की थैलियों को फिर से बनाना था ताकि यह समझा जा सके कि वे संक्रमण पर कैसे प्रतिक्रिया करती हैं। अभी तक ये लंग ऑन-चिप डिवाइस मरीज से ली गई कोशिकाओं और व्यावसायिक रूप से उपलब्ध कोशिकाओं के मिश्रण से बनाए जाते थे। इस तरह के

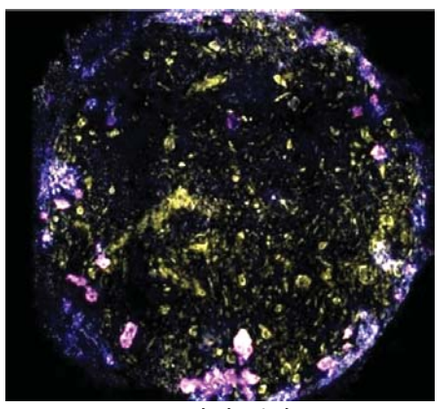

चिप किसी एक व्यक्ति के फेफड़ों के काम या बीमारी की प्रगति को पूरी तरह से दोहरा नहीं सकते थे।

इस अध्ययन में क्रिक की टीम ने चिप पर फेफड़े का एक नया मॉडल विकसित किया है, जिसमें सिर्फ एक डोनर की स्टेम कोशिकाओं से ली गई आनुवंशिक रूप से एक जैसी कोशिकाएं होती हैं। प्रयोगशाला द्वारा पहले विकसित की गई एक विधि के आधार पर शोधकर्ताओं ने प्लोरिपोटेंट (बहुक्षमता) स्टेम कोशिकाओं से 'एल्वियोलर एपिथेलियल' कोशिकाएं और 'वैस्कुलर एंडोथेलियल' कोशिकाएं बनाईं। ये ऐसी कोशिकाएं हैं जो शरीर में किसी भी कोशिका में विकसित हो सकती हैं। इन एपिथेलियल और एंडोथेलियल कोशिकाओं को एक बहुत पतली झिल्ली के ऊपर और नीचे अलग-अलग उगाया जाता है ताकि हवा की थैली के अवरोध को पुनर्निर्मित किया जा सके।

इसके बाद, वैज्ञानिकों ने चिप में मैक्रोफेज नामक इम्यून कोशिकाएं डालीं, जिन्हें उसी डोनर की स्टेम कोशिकाओं से बनाया गया था। चिप में बीमारी के शुरुआती चरण निर्मित करने के लिए उन्होंने टीबी के बैक्टीरिया डाले। टीबी से संक्रमित चिप में टीम ने बड़े मैक्रोफेज समूह देखे। संक्रमण के पांच दिन बाद, एंडोथेलियल और एपिथेलियल कोशिकाओं के अवरोध टूट गए, जिससे पता चला कि हवा की थैली का फंक्शन खराब हो गया था। इस अध्ययन के वरिष्ठ लेखक मैक्स गुटिरेज ने कहा कि आज ऐसी तकनीकों की मांग बढ़ रही है जिनमें जानवरों के अंगों का प्रयोग नहीं होता। ऑर्गन-ऑन-चिप जैसे तरीके प्रयोगशाला में इंसानी सिस्टम को फिर से बनाने के लिए जरूरी होते जा रहे हैं क्योंकि जानवरों और इंसानों के बीच फेफड़ों की संरचना, इम्यून कोशिकाओं की बनावट और बीमारी के विकास में अंतर होता है। नई चिप से हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि टीबी जैसे संक्रमण किसी व्यक्ति पर कैसे असर डालेंगे। साथ ही यह टेस्ट भी किया जा सकेगा कि एंटीबायोटिक्स जैसे उपचार कितने प्रभावी हैं।

वैज्ञानिकों के अन्य दल ने चूहे के मस्तिष्क के कॉर्टेक्स का डिजिटल संस्करण बनाया है। हमारा मस्तिष्क ऊपर से अखरोट की गिरी जैसा दिखता है। इसकी उभरी हुई सिलवटों वाली सतह को सेरिब्रल कॉर्टेक्स कहा जाता है। ज्ञान और स्मृति जैसे अनेक उच्च स्तरीय संज्ञानात्मक कार्य मस्तिष्क के कॉर्टेक्स से जुड़े हुए हैं। दुनिया के वैज्ञानिक कॉर्टेक्स की गहन जांच करके मस्तिष्क की कार्य प्रणाली का अध्ययन करना चाहते हैं।

अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं के एक दल ने जापान के शक्तिशाली फुगाकू सुपरकम्प्यूटर का उपयोग करके चूहे के मस्तिष्क के कॉर्टेक्स का एक डिजिटल मॉडल बनाया है, जो अब तक बनाया गया सबसे बड़ा और सबसे वास्तविक मॉडल है। डिजिटल मस्तिष्क एक वास्तविक मस्तिष्क की तरह व्यवहार करता है, जिससे वैज्ञानिक रोग की प्रगति, तंत्रिका गतिशीलता और संभावित उपचारों का अध्ययन कर सकते हैं। जैविक डेटा सेट को शक्तिशाली मॉडलिंग सॉफ्टवेयर के साथ जोड़कर अंतरराष्ट्रीय टीम ने साबित कर दिया है कि बड़े पैमाने पर जैवभौतिक रूप से सटीक मस्तिष्क मॉडल बनाना अब संभव है। चूहे के कॉर्टेक्स का यह पूरी तरह से डिजिटल संस्करण है।

यह वैज्ञानिकों को एक आभासी वातावरण में अल्जाइमर या मिर्गी जैसी स्थितियों का पुनर्निर्माण करके मस्तिष्क के काम करने के तरीके का पता लगाने की एक नई विधि प्रदान करता है। वे देख सकते हैं कि क्षति तंत्रिका नेटवर्क के माध्यम से कैसे आगे बढ़ती है। इस मॉडल से अनुभूति और चेतना से संबंधित प्रक्रियाओं की भी जांच की जा सकती है। यह मॉडल संरचना और गतिविधि दोनों को दर्शाता है, जिसमें लगभग एक करोड़ स्नायु कोशिकाएं (न्यूरॉन्स), 26 अरब स्नायु कनेक्शन (सिनेप्स) और 86 जुड़े हुए मस्तिष्क क्षेत्र शामिल हैं।

यह उपलब्धि फुगाकू सुपरकम्प्यूटर की वजह से संभव हुई है, जो जापान का प्रमुख सिस्टम है। यह दुनिया के सबसे तेज सुपर कम्प्यूटरों में गिना जाता है। यह सिस्टम प्रति सेकंड अरबों गणनाएं करने में सक्षम है। अमेरिका के एलन इंस्टिट्यूट के शोधकर्ताओं ने जापान की इलेक्ट्रो-कम्युनिकेशंस यूनिवर्सिटी और तीन अन्य जापानी संस्थानों की टीमों के साथ मिलकर इस परियोजना को साकार किया।

विज्ञानी अब कॉर्टेक्स के इस मॉडल का उपयोग यह पता लगाने के लिए कर सकते हैं कि बीमारियां कैसे विकसित होती हैं, मस्तिष्क तरंगें ध्यान को कैसे प्रभावित करती हैं, या दौरे मस्तिष्क में कैसे फैलते हैं। पहले, इस तरह के अध्ययनों के लिए वास्तविक जैविक ऊतक की आवश्यकता होती थी और एक समय में केवल एक ही प्रयोग किया जा सकता था। अब शोधकर्ता आभासी स्थान में कई तरह के आइडिया की जांच कर सकते हैं। ये मॉडल लक्षणों के प्रकट होने से पहले ही तंत्रिका संबंधी विकारों के शुरुआती लक्षणों को उजागर करने में मदद कर सकते हैं और वैज्ञानिकों को डिजिटल सेटिंग में संभावित उपचारों या चिकित्सा पद्धतियों का मूल्यांकन करने में सक्षम बना सकते हैं।

एलन इंस्टिट्यूट के शोधकर्ता, एंटोन आर्किपोव का कहना है कि हम पर्याप्त कम्प्यूटिंग शक्ति के साथ इस प्रकार के मस्तिष्क मॉडल को प्रभावी ढंग से चला सकते हैं। यह हमें विश्वास दिलाता है कि बहुत बड़े मॉडल न केवल संभव हैं, बल्कि सटीकता के साथ हासिल करने योग्य भी हैं। वैज्ञानिकों का यह प्रयास तंत्रिका विज्ञान और उन्नत कम्प्यूटिंग क्षमताओं को एक मंच पर लाया है। चूहे के डिजिटल कॉर्टेक्स को देखना वास्तविक समय में जीव विज्ञान को देखने जैसा है। वैज्ञानिकों का दीर्घकालिक लक्ष्य संपूर्ण-मस्तिष्क मॉडल बनाना है, जिसमें मानव मस्तिष्क भी शामिल है।

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

हर हिस्से में हवा और पानी के प्रदूषण की स्थिति

हरिशंकर व्यास

और भीड़ भेड़ बकरियों वाली हैसियत की है तो उसके साथ ट्रीटमेंट भी वैसा ही है। दो उदाहरण हैं। मध्य प्रदेश में देश के सबसे स्वच्छ शहर का कई बरसों से अवार्ड जीत रहे इंदौर में दूषित पानी पीने से एक दर्जन से ज्यादा लोगों की मौत हुई। साल का अंत और नए साल की शुरुआत इसी खबर से हुई है। पता नहीं चल पा रहा है कि पीने के पानी की सप्लाई में जहरीला पानी कहां से मिक्स हुआ। लेकिन खबर है कि दो महीने से लोग पानी के दूषित होने की शिकायत कर रहे थे। पानी से बदबू आ रही थी और लोगों की तबियत बिगड़ रही थी। अब खबर है कि पानी में एसिड और बैक्टीरिया की भारी मात्रा मिली है। लेकिन तय मानें कि इसके लिए किसी को जिम्मेदार नहीं माना जाएगा। एकाध लोगों के तबादले होंगे और एकाध लोग निलंबित उसके बाद सब रफा दफा हो जाएगा। दूसरी खबर है कि राजधानी दिल्ली की, जहां पिछले ढाई महीने से हवा जहरीली बनी हुई है। वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई चार सौ के आसपास है। दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री का दावा है कि पिछले आठ साल में सबसे कम कम पीएम 2.5 पिछले साल यानी 2025 में रहा। उनके हिसाब से एक क्यूबिक मीटर में पीएम 2.5 की मात्रा एक सौ के करीब है। सोचें, भारत सरकार का मानक प्रति क्यूबिक मीटर पीएम 2.5 की मात्रा 60 रखने का है और विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानक 12 का है। लेकिन एक सौ होने को उपलब्धि के तौर पर पेश किया जा रहा है। यह पूरे साल का औसत आंकड़ा है। पिछले ढाई महीने का औसत आंकड़ा तीन सौ से ऊपर का है।

यह सिर्फ दिल्ली की बात नहीं है देश के हर हिस्से में हवा और पानी के प्रदूषण की यही स्थिति है। दुनिया के 10 सबसे प्रदूषित शहरों में सात से आठ हमेशा भारत के होते हैं। सूची जितनी लंबी होती जाती है, भारत के शहरों की संख्या उतनी बढ़ती जाती है। ऐसा नहीं है कि भारत के उन शहरों में प्रदूषण है, जहां उद्योग लगे हैं। बिहार के ऐसे शहर, जहां दूर दूर तक कोई फैक्टरी नहीं है वहां भी एक्यूआई चार सौ से ऊपर है और इसका कारण सिर्फ इतना है कि चारों तरफ धूल मिट्टी फैली है और निर्माण कार्यों से होने वाला प्रदूषण धूल की चादर की तरह फैला हुआ है। किसी भी शहर में नगर निगम को सफाई से कोई लेना देना नहीं है। राजधानी दिल्ली में सैकड़ों टन कूड़ा रोज निकलता है, जिसका बड़ा हिस्सा सड़कों पर बिखरा रहता है। हर साल सर्दियों में कभी पटाखों पर तो कभी किसानों की पराली पर प्रदूषण का दोष मढ़ दिया जाता है। लेकिन अभी न तो पटाखे चल रहे हैं और न पराली जलाई जा रही है फिर भी एक्यूआई चार सौ के करीब है। ये दो प्रतिनिधि घटनाएं हैं, जो बताती हैं कि भारत में प्रकृति कम आपदा पैदा कर रही है और व्यवस्था ज्यादा आपदा पैदा कर रही है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

सामान्य सभा की बैठक 19 जनवरी को

दुर्ग। जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक 19 जनवरी 2026 को जिला पंचायत के सभाकक्ष में दोपहर 12 बजे आयोजित की गई है। बैठक में धान खरीदी की समीक्षा, खाद्य विभाग के कार्यों, महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों, समाज कल्याण विभाग के कार्यों, खनिज विभाग के कार्यों की समीक्षा की जाएगी। संबंधितों को उपस्थिति हेतु अनुरोध किया गया है।

ब्लास्ट फर्नेस-4 ने हॉट मेटल उत्पादन में रचा नया कीर्तिमान

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस-4 ने 11 जनवरी, 2026 को उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए हॉट मेटल उत्पादन का अब तक का अपना सर्वोच्च रिकॉर्ड बनाया। इस दिन फर्नेस ने 3,152 टन हॉट मेटल का उत्पादन दर्ज किया, जो 01 दिसंबर, 2025 को बनाये गए 3,101 टन के अपने पूर्वतम सर्वश्रेष्ठ उत्पादन के रिकॉर्ड को पार कर गया। यह उपलब्धि ब्लास्ट फर्नेस-4 की परिचालन क्षमता, समन्वय और निरंतर सुधार की दिशा में हो रहे प्रयासों का प्रमाण है।

बकाया नहीं भरने पर सख्ती, काटा नल कनेक्शन

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर राजस्व विभाग द्वारा टैक्स वसूली को लेकर सख्त कार्रवाई की गई। इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 09 में बकाया कर नहीं चुकाने वाले भवन स्वामियों के खिलाफ नल कनेक्शन विच्छेदन की कार्रवाई की गई। राजस्व विभाग की टीम ने वार्ड 09 में वकील सौरभ चौबे / एस.पी. चौबे के मकान पर 59,013 रुपये बकाया टैक्स जमा नहीं करने पर उनके दो नल कनेक्शन काट दिए। वहीं लाल चंद्रा जौहरे के मकान पर 66,626 रुपये बकाया टैक्स होने के कारण नल कनेक्शन विच्छेदन किया गया।

बीआईटी कॉलेज मैदान में महापौर बीजरोपण महोत्सव

दुर्ग। बीआईटी कॉलेज मैदान में कदम संस्था दुर्ग द्वारा एक महापौर बीजरोपण महोत्सव 2026 का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें कदम संस्था दुर्ग द्वारा स्कूली बच्चों को 2 माह पूर्व ईको फ्रेंडली पैकेट में खम्हार और करंज के बीज वितरिण किये गये थे और उन्हें रोपित कर पौधे के रूप में विकसित करने कहा गया था जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। महापौर बीजरोपण महोत्सव में उन्हें पौधे लाने थे जिसका पंजीयन किया गया पंजीयन के साथ सभी बच्चों को निश्चित उपहार संस्था द्वारा प्रदान किया गया।

विवेकानंद जयंती पर महापौर ने किया प्रतिमा पर माल्यार्पण

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार ने स्वामी विवेकानंद जयंती एवं राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर विवेकानंद परिसर पहुँचकर युगद्रष्टा स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर उनके साथ एमआईसी सदस्य देवनारायण चंद्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, पार्षद सरिता चंद्राकर, मंडल अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एक बार फिर लागू किया 'हेलमेट नहीं तो पेट्रोल नहीं' का फरमान, बोर्ड-पोस्टर लगाना होगा

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अभिजीत सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चलाने वाले वाहन चालक/सवार को किसी भी पेट्रोल पंप संचालक की ओर से आकस्मिक सेवा मेडिकल इमरजेंसी एवं धार्मिक पगड़ी पहनने वाले व्यक्तियों को छोड़कर पेट्रोल एवं अन्य उपयोगी ईंधन उपलब्ध नहीं कराने संबंधी आदेश दिये हैं। जिला दण्डाधिकारी के आदेशानुसार सभी पेट्रोल पम्प संचालक उक्त नीति के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु पेट्रोप पम्प परिसर में 'नो हेलमेट, नो पेट्रोल' का सुस्पष्ट बोर्ड/पोस्टर अनिवार्य रूप से लगाएंगे। उक्त आदेश का उल्लंघन किए जाने पर पेट्रोल पम्प संचालकों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता के तहत विधि अनुसार दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। यह आदेश जनहित में नागरिकों के जीवन की सुरक्षा के दृष्टिकोण से तत्काल पारित किया जाना अत्यावश्यक हैं एवं इतना समय उपलब्ध नहीं हैं कि सभी पक्षों को सूचना दी जाए। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 (2) के तहत एक पक्षीय जारी किया जाता हैं। यह आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है और आगामी आदेश पर्यन्त लागू रहेगा। ज्ञात हो कि दुर्ग जिले में दोपहिया वाहन चालकों को स्वयं की सुरक्षा के लिए हेलमेट धारण करने व सड़क दुर्घटनाओं से हो रही जन-धन की हानि को नियंत्रित करने हेतु लगातार जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर आमजन को जागरूक किया जा रहा है। यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध प्रवर्तन कार्यवाही की जा रही है।

बीएसपी में सुरक्षा जागरूकता माह के अंतर्गत ड्राइंग-पेंटिंग प्रतियोगिता-2026 का आयोजन

बच्चों की उपस्थिति से गुलजार हुआ सेक्टर-8 का सुनीति उद्यान, उकेरी अपनी भावनाएं

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा सुरक्षा जागरूकता माह के अंतर्गत सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग ने 11 जनवरी, 2026 को सेक्टर-8, भिलाई स्थित सुनीति उद्यान में वार्षिक सुरक्षा ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता-2026 का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार रहे। अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ) डी. सतपथी ने की। इस अवसर पर सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग के महाप्रबंधक प्रभारी एसके अग्रवाल, महाप्रबंधकगण एस सुनोव, पीएम राजेन्द्र कुमार, बीआर पांडा, यूवी सुभद्रा, जेटी दासन, एसके महतो, एसआर शिंदे भी उपस्थित रहे।

राकेश कुमार व अन्य गणमान्य अतिथियों ने अपने संबोधन में इस बात पर विशेष बल दिया कि सुरक्षा जागरूकता की शुरुआत बाल्यावस्था से होनी चाहिए तथा इस प्रकार के रचनात्मक मंच जिम्मेदार, सतर्क एवं सुरक्षा-सचेत नागरिकों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस अवसर पर कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण, सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी, सड़क सुरक्षा टीम, यातायात पुलिस एवं अन्य सहयोगी एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग के प्रवीण कुमार शुक्ला एवं एच के गुप्ता द्वारा किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारीगण, टाउनशिप विभाग, शिक्षा विभाग, भिलाई नगर निगम तथा दुर्ग यातायात विभाग सहित स्वयंसेवकों एवं प्रशिक्षुओं (अप्रेंटिस) को उनके बहुमूल्य सहयोग एवं समर्थन के लिए हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

प्रतिवर्ष होता है आयोजन

उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष जनवरी माह में सुरक्षा जागरूकता माह के अंतर्गत आयोजित की जाने वाली यह प्रतियोगिता, कार्यस्थल से आगे बढ़कर समाज में सुरक्षा चेतना का प्रसार करने की दिशा में भिलाई इस्पात संयंत्र की एक विशिष्ट एवं सराहनीय पहल के रूप में स्थापित हो चुकी है। प्रतियोगिता में नर्सरी से कक्षा 12वीं तक के स्कूली बच्चों, विशेष रूप से दिव्यांग बच्चों तथा अभिभावकों/पालकों सहित लगभग 1200 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

एक्सटेम्पोर रही प्रतियोगिता

ड्राइंग एवं पेंटिंग के विषय एक्सटेम्पोर (तत्काल) प्रकृति के रहे, जिन्हें स्थल पर ही घोषित किया गया, जिससे प्रतिभागियों की मौलिक सोच, रचनात्मकता और सहज अभिव्यक्ति को प्रोत्साहन मिला। ड्राइंग शीट्स सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गईं, जबकि रंग भरने की सामग्री प्रतिभागी स्वयं लेकर आए।

सभी क्षेत्रों को छुआ

प्रतिभागियों ने सामान्य सुरक्षा, अग्नि एवं गृह सुरक्षा, रेल एवं सड़क सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण तथा औद्योगिक सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर रंगों के माध्यम से प्रभावशाली संदेश प्रस्तुत किए। चयनित ड्राइंग एवं पेंटिंग्स का प्रदर्शन दिनांक 19 जनवरी से 23 जनवरी 2026 तक इंदिरा प्लेस स्थित नेहरू आर्ट गैलरी में किया जाएगा तथा प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

भिलाई बनेगा शतरंज का अखाड़ा प्रदेश भर से आएंगे बड़े खिलाड़ी

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के तत्वावधान में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य रैपिड एवं ब्लिट्ज फिडे रेटेड शतरंज चैंपियनशिप 2026 का आयोजन 24 एवं 25 जनवरी को अग्रसेन भवन, सेक्टर-6, भिलाई में किया जाएगा।

प्रदेश शतरंज संघ के महासचिव विनोद राठी के मार्गदर्शन में यह आयोजन जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा अग्रसेन जनकल्याण समिति के सहयोग से किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के सचिव हेमंत खुटे तथा जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत ने बताया कि इस राज्य चयन प्रतियोगिता में आकर्षक नकद पुरस्कार, ट्रॉफी एवं शतरंज साहित्य प्रदान किए जाएंगे। रैपिड शतरंज स्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 15 हजार नकद एवं ट्रॉफी, द्वितीय को 11 हजार नकद एवं ट्रॉफी, तृतीय स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी को 7 हजार नकद एवं ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। इसी तरह से चतुर्थ स्थान को 5 हजार नकद एवं ट्रॉफी, पंचम स्थान को 3 हजार नकद व शतरंज साहित्य, षष्ठ स्थान को 2 हजार नकद व शतरंज साहित्य, सप्तम से दशम स्थान तक के खिलाड़ियों को 15-15 सौ नकद राशि के साथ शतरंज साहित्य देकर सम्मानित किया जाएगा।

ब्लिट्ज शतरंज स्पर्धा में प्रथम स्थान पर 9 हजार नकद एवं ट्रॉफी, द्वितीय स्थान पर 7 हजार नकद एवं ट्रॉफी तथा तृतीय स्थान पर 5 हजार नकद एवं ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। वहीं चतुर्थ स्थान को 3 हजार नकद व शतरंज साहित्य, पंचम स्थान को 2 हजार नकद व शतरंज साहित्य षष्ठ से दशम तक प्रत्येक खिलाड़ी को 1-1 हजार नकद दिया जाएगा।

उपार्जन केन्द्रों से डेढ़ लाख मीट्रिक धान का उठाव, ऑनलाइन भुगतान

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। राज्य सरकार की सुचारू, पारदर्शी और किसान हितैषी नीति के कारण जिले में धान खरीदी और उपार्जन केन्द्रों से धान के उठाव में तेजी आई है। धान खरीदी को आसान बनाने की दिशा में राज्य सरकार की निर्णायक कदम से धान विक्रय की प्रक्रिया सरल हुई है। धान बेचने के बाद त्वरित भुगतान का किसानों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

सरकार की व्यवस्था से प्रभावित होकर किसान अपनी उपज बेचने टोकन प्राप्त निर्धारित तिथि अनुसार उपार्जन केन्द्र पहुंच रहे हैं। जिले में अब तक 90,556.49 लाख रूपए की लागत से 3,81,992.64 मे. टन धान की खरीदी हो चुकी है। समय पर भुगतान राशि मिलने पर 69995 किसान लाभान्वित हुए हैं।

उपार्जन केन्द्रों से धान की उठाव भी तेजी से होने लगी है। उठाव हेतु 2,31,011.74 मे. टन धान का डीओ जारी हुआ है।

अब तक उपार्जन केन्द्रों से 1,45,118.52 मे. टन धान का उठाव किया जा चुका है। सरकार की इस पारदर्शी व्यवस्था में किसान भी सहभागी बनते हुए धान बेचने के पश्चात् रकबा समर्पण करने आगे आ रहे हैं। जिससे बिचौलियों को अपनी धान खपाने का अवसर नहीं मिला है।

जिले में अब तक धान बेच चुके 39377 कृषकों ने 982.01 हेक्टेयर रकबा समर्पण कर चुके हैं। उपार्जन केन्द्रों में धान बेचने के लिए पहुंचने वाले किसानों हेतु जिला प्रशासन द्वारा समुचित प्रबंध किया गया है।

वर्तमान में उपार्जन केन्द्रों में बारदाने की पर्याप्त व्यवस्था है। इसके तहत केन्द्रों में 28,43,883 बारदाने उपलब्ध है।

होटल संचालक ने चुकाया 1.75 लाख का संपत्तिकर

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश ओर राजस्व अधिकारी आर.के. बोरकर के मार्गदर्शन में नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा संपत्ति कर एवं ट्रेड लाइसेंस बकाया वसूली को लेकर सख्त रुख अपनाया जा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को जी.ई. रोड स्थित चार्ज के सामने संचालित 'सांझा चूल्हा फैमिली ढाबा' के खिलाफ सीलिंग की कार्रवाई की तैयारी की गई।

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार होटल संचालक पर 1 लाख 75 हजार 458 रुपये का संपत्ति कर लंबे समय से बकाया था। निगम द्वारा पूर्व में कई बार नोटिस जारी किए गए, लेकिन संचालक द्वारा कर की राशि जमा नहीं की गई।

अंतिम नोटिस के बाद भी भुगतान नहीं होने पर नगर निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर राजस्व विभाग का अमला होटल को सील करने पहुँचा। सीलिंग की कार्रवाई के भय से होटल संचालक ने मौके पर ही पूरी बकाया राशि नगद जमा कर दी, जिसके बाद कार्रवाई स्थगित की गई।

कार्रवाई के दौरान उप राजस्व निरीक्षक निशांत यादव, संजय मिश्रा, राम खिलावन शर्मा, पवन नायक, अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर कुमार, बाजार सहायक ईश्वर वर्मा, तिलक नवरंग, विजेंद्र पटेल सहित राजस्व एवं अतिक्रमण अमला उपस्थित रहा।

नगर निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल ने स्पष्ट कहा कि बकाया संपत्ति कर जमा नहीं करने वाले अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के विरुद्ध सील बंद की सख्त कार्रवाई की जाएगी। निगम की इस सख्ती के बाद कर वसूली में तेजी आने की संभावना जताई जा रही है।

गेट मीटिंग के बाद मंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

रिसाली। स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ रिसाली के सदस्यों ने 10 सूत्रीय मांग को लेकर आंदोलन पर है। पहले चरण के तहत दोपहर कर्मचारियों ने गेट मीटिंग की। बाद में नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के नाम ज्ञापन सौंपा। संगठन का ज्ञापन निगम प्रशासन की ओर से कार्यपालन अभियंता सुनील दुबे ने लिया। पहले दिन के हड़ताल से किसी प्रकार की सेवा अवरुद्ध नहीं हुई। कर्मचारी दोपहर 12 बजे गेट में एकत्र हुए और नारे बाजी की। बाद में पदाधिकारियों ने नगर पालिक निगम के कार्यपालन अभियंता को ज्ञापन सौंपा। संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष गोपाल सिन्हा ने बताया कि जिला स्तर पर 16 जनवरी को मुख्यालय में प्रदर्शन किया जाएगा। रिसाली संगठन के अध्यक्ष अमित चंद्राकर, महासचिव अखिलेश वर्मा मौजूद रहे।

कड़प्पा (आंध्रप्रदेश) में चल रहा सायकल पोलो का जंगी मुकाबला

सब जूनियर तथा सीनियर महिला पहुंची फाइनल, जूनियर सेफा में

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई/कड़प्पा। भारतीय साइकिल पोलो महासंघ के संयुक्त सचिव विनायक चन्नावार तथा दुर्ग जिला साइकिल पोलो संघ के सचिव देव प्रकाश वर्मा ने एक संयुक्त विज्ञप्ति में बताया कि भारतीय साइकिल पोलो महासंघ द्वारा कडप्पा (आंध्र प्रदेश) में 10 है 13 जनवरी तक 22वीं सब जूनियर बालिका 28वीं जूनियर बालिका तथा 26 वीं सीनियर महिला राष्ट्रीय साइकिल पोलो प्रतियोगिता 2025 26 का आयोजन किया जा रहा है ।

छत्तीसगढ़ तीनों ही वर्गों में अपने सभी लीग मैचों में एक तरफा जीत हासिल कर शानदार बढ़त बनाए हुए हैं। खिलाड़ियों का हौसला बुलंद है। दल के प्रशिक्षक एस. संतोष राव भिलाई, वर्तमान में इंडियन आर्मी में पदस्थ, ने बताया कि वर्तमान परिस्थितियों के अनुसार छत्तीसगढ़ के तीनों ही दलो की फाइनल में फाइनल में पहुंचेंगे तथा राष्ट्रीय चैंपियन होने का प्रयास करेंगे।

छत्तीसगढ़ ने सब जूनियर वर्ग ने अपने लीग के प्रथम मैच में तेलंगाना को तीन के मुकाबले शून्य गोलों से पराजित किया तथा द्वितीय मैच में आंध्र प्रदेश को भी 6 के मुकाबले शून्य गोलों से पराजित किया। तथा अपने सेमीफाइनल मैच में पांडिचेरी को आठ के मुकाबले शून्य गोलों से पराजित कर फाइनल में पहुंची ।

छत्तीसगढ़ ने जूनियर वर्ग मैं मैं खेले गए अपने लीग मैच में प्रथम मैच में भी कर्नाटक को सात के मुकाबले शून्य गोलों से तथा द्वितीय मैच में मध्य प्रदेश को भी छह के मुकाबले शून्य गोलों से परास्त किया तथा अपने क्वार्टर फाइनल मैच में वेस्ट बंगाल को आठ के मुकाबले शून्य गोलों से परस्त कर सेमीफाइनल में पहुंची।

छत्तीसगढ़ ने सीनियर वर्ग में खेले गए अपने मैचों में प्रथम मैच में पांडिचेरी को भी 12 के मुकाबले शून्य गोलों से पराजित किया तथाअपने द्वितीय मैच में मध्य प्रदेश को भी 11 के मुकाबले शून्य गोलों से प्राप्त किया वहीं क्वार्टर फाइनल में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए वेस्ट बंगाल को सात के मुकाबले तीन गोलों परास्त किया तथा अंत में अपने सेमीफाइनल मैच में तेलंगाना को 17 के मुकाबले शून्य गोलों से जबरदस्त शिकस्त देकर फाइनल में पहुंची।

इनका चमका सितारा

सब जूनियर वर्ग में कुमारी धात्री ने सर्वाधिक कुल पांच गोल दागे।
जूनियर वर्ग में कुमारी इशिता ने सर्वाधिक कुल 9 गोल दागे
सीनियर वर्ग में कुमारी पूनम ने एक के बाद एक सर्वाधिक कुल 18गोल दागे।

सर्विस रोड में खड़े वाहनों को हटाया गया

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई एवं यातायात विभाग की संयुक्त टीम द्वारा सर्विस रोड से अवैध खड़े किये वाहनों को हटाने की कार्यवाही की गई। नागरिक व आटो डिलरों द्वारा सड़क किनारे एवं बाजार के बीच में अवैध रूप से वाहन खड़ा कर दिया जाता है, जिसके कारण सड़क जाम हो जाता है और आवागमन बाधित होता है। इससे शहर में सड़क दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। आटो डिलरों द्वारा सर्विस रोड में वाहन खड़ा कर रिपेयरिंग एवं वाशिंग का कार्य किया जाता है। साथ ही नागरिको द्वारा अपने चार पहिया एवं दो पहिया वाहनों को अनावश्यक सर्विस रोड में खड़ा कर इधर-उधर चले जाते है। जिसके कारण रोड से गुजरने वाले वाहन चालको एवं पैदल चलने वाले लोगो को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड कॉलोनियों के संधारण में नागरिक सहभागिता को मिलेगा नया आयाम

रायपुर। छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड ने अपनी आवासीय कॉलोनियों के संधारण एवं प्रबंधन को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके अंतर्गत बोर्ड के अधीन संचालित कॉलोनियों के रख-रखाव की जिम्मेदारी चरणबद्ध रूप से संबंधित रेसिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों को हस्तांतरित की जाएगी। यह प्रक्रिया 31 मार्च 2026 तक पूर्ण की जाएगी। हाउसिंग बोर्ड मुख्यालय में आयुक्त श्री अवनीश कुमार शरण की अध्यक्षता में आयोजित वरिष्ठ अधिकारियों की समीक्षा बैठक में इस सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में उन सभी कॉलोनियों का मूल्यांकन किया गया, जिनका अब तक नगर निगम या स्थानीय निकायों को विधिवत हस्तांतरण नहीं हो सका है। आयुक्त श्री शरण ने निर्देश दिए कि ऐसी प्रत्येक कॉलोनी में रेसिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन का गठन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जब कॉलोनीवासी स्वयं अपने क्षेत्र के रख-रखाव और विकास से जुड़ते हैं, तो न केवल सेवाओं की गुणवत्ता बेहतर होती है, बल्कि उत्तरदायित्व और स्वामित्व की भावना भी सुदृढ़ होती है। इस उद्देश्य से संबंधित उपायुक्तों एवं कार्यपालन अभियंताओं को कॉलोनीवासियों के साथ बैठकें आयोजित कर रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन गठन की प्रक्रिया को तेज करने और आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल अधिनियम एवं रेरा प्रावधानों के अनुसार परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद निर्धारित अवधि में संधारण की जिम्मेदारी रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन को सौंपना वैधानिक दायित्व है। हाउसिंग बोर्ड इस प्रक्रिया को सुनियोजित, समयबद्ध और विधिसम्मत तरीके से लागू कर रहा है। प्रथम चरण में बोर्ड की कुल 32 कॉलोनियों को रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन-आधारित संधारण व्यवस्था के तहत सौंपा जाएगा।

दो दिवसीय 'विकसित भारत 2047' जन-जागरूकता कार्यक्रम एवं चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ

रायपुर। भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधीन केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी), रायपुर द्वारा बीजापुर के सांस्कृतिक भवन में दो दिवसीय 'विकसित भारत 2047' जन-जागरूकता कार्यक्रम एवं चित्र प्रदर्शनी का शानदार शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा एवं नगरपालिका अध्यक्ष गीता सोम पुजारी द्वारा किया गया। अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने का संकल्प जनभागीदारी से ही सिद्ध होगा। इस अवसर पर गीत एवं नाट्य विभाग के कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुँचाई। इस दो दिवसीय आयोजन के शुभारंभ का मुख्य आकर्षण केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल द्वारा लगाया गया विशेष स्वास्थ्य शिविर रहा। स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर में बटालियन 170 एवं 229 के सीनियर मेडिकल ऑफ्सिर डॉ. मोहन राजू एवं डॉ. इदरा ग्रीष्मा तेजस्वी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर के दौरान न केवल विशेषज्ञ चिकित्सा परामर्श दिया गया, बल्कि जरूरतमंदों को नि:शुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया, जिसे क्षेत्रीय जनता ने बेहद सराहा। प्रदर्शनी में 'विकसित भारत' के चार प्रमुख स्तंभों—युवा, महिला, किसान और गरीब—पर केंद्रित विशेष गैलरी लगाई गई है। कार्यक्रम के दौरान स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए फ्लैगशिप योजनाओं पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विजेताओं को तत्काल पुरस्कृत किया गया।

स्काउट एक जीवन पद्धति है, जो हमें चुनौतियों से जूझना सिखाती हैः मुख्यमंत्री साय

बालोद के ग्राम दुधली में प्रथम राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी का भव्य एवं ऐतिहासिक समापन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। स्काउट जीवन जीने की एक पद्धति है, जो व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों में भी आत्मनिर्भर बनना, टीम भावना से कार्य करना और समाज के लिए समर्पित रहना सिखाती है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय नेबालोद जिले के ग्राम दुधली में आयोजित प्रथम राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी के भव्य समापन समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री साय ने देश के विभिन्न राज्यों से पधारे रोवर-रेंजरों एवं स्काउट-गाइड्स का भगवान श्रीराम के ननिहाल और माता शबरी की तपोभूमि छत्तीसगढ़ में आत्मीय अभिनंदन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह जंबूरी केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की विविधता में एकता का जीवंत उत्सव है।

'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की सजीव झलक बनी राष्ट्रीय जंबूरी

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि देश में पहली बार इस स्तर की राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी का आयोजन होना और उसके लिए छत्तीसगढ़ का चयन होना पूरे राज्य के लिए गौरव की बात है। यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को साकार करता है। उन्होंने कहा कि विभिन्न राज्यों के रोवर-रेंजरों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, झांकियों और गतिविधियों के माध्यम से भारत की समृद्ध विविधता को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

युवा ही राष्ट्र का भविष्य, स्काउटिंग से मिलती है नेतृत्व की शक्ति

मुख्यमंत्री श्री साय ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा ही राज्य और देश का भविष्य हैं। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के प्रेरक वाक्य उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए का उल्लेख करते हुए युवाओं को आत्मविश्वास और संकल्प के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्काउट-गाइड संगठन द्वारा सिखाए गए अनुशासन, सेवा-भाव, नेतृत्व और टीमवर्क जैसे मूल्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए तैयार करते हैं। मुख्यमंत्री ने कोरोना काल में स्काउट-गाइड्स द्वारा किए गए सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने समाज को जागरूक और सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'बाल विवाह मुक्त भारत अभियान' के तहत उपस्थित युवाओं को शपथ भी दिलाई।

15 हजार से अधिक रोवर-रेंजरों की सहभागिता से ऐतिहासिक बना जंबूरी

09 से 13 जनवरी तक आयोजित इस पांच दिवसीय जंबूरी में देश-विदेश से 15 हजार से अधिक रोवर-रेंजरों ने भाग लिया। समापन समारोह के दौरान देशभर से आए प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने पूरे वातावरण को भारतीय कला, संस्कृति और सौहार्द से सराबोर कर दिया। विशाल जनसैलाब की उपस्थिति ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। स्कूल शिक्षा मंत्री एवं स्काउट-गाइड के राज्य अध्यक्ष गजेंद्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री साय के मार्गदर्शन में यह राष्ट्रीय जंबूरी सफलतापूर्वक संपन्न हुई। उन्होंने बताया कि जंबूरी के दौरान युवा संसद, कौशल प्रदर्शन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आदिवासी एथनिक फैशन शो जैसे कार्यक्रमों ने युवाओं को नई दृष्टि और मंच प्रदान किया।

इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव को राष्ट्रीय मुख्य आयुक्त डॉ. के. के. खंडेलवाल द्वारा सिल्वर एलीफेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

सेवा, समर्पण और सहभागिता से बनेगा श्रेष्ठ भारत

भारतीय स्काउट-गाइड के राष्ट्रीय मुख्य आयुक्त डॉ. के. के. खंडेलवाल ने कहा कि स्काउटिंग का मूल मंत्र है अपने कार्यों से दूसरों का भला करना। उन्होंने कहा कि परंपरा और आधुनिकता का संतुलन तथा सेवा-भाव ही एक सशक्त और विकसित राष्ट्र की नींव रखता है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य बीज निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत मटियारा सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

जनजातीय विकास को सांसद संकुल विकास परियोजना से मिलेगी गति- सीएम साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित सांसद संकुल विकास परियोजना की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि जनजातीय विकास को सांसद संकुल विकास परियोजना से गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि योजना के तहत लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने महत्वपूर्ण पहल की जा रही है, इससे जनजातीय क्षेत्रों से पलायन पर रोक लगेगी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने लगातार प्रयास किया जा रहा है। सांसद संकुल विकास परियोजना के तहत गांवों के क्लस्टर बना कर विकास का मॉडल विकसित किया जा रहा है, जिसका सीधा लाभ लोगों को मिल रहा है। स्थानीय संसाधनों के समुचित उपयोग द्वारा लोगों का कौशल विकास कर उन्हें स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाना ही योजना का उद्देश्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य को धान का कटोरा कहा जाता है। हमारे यहां धान की कई किस्में हैं जिनके निर्यात की बड़ी संभावना है। कृषि के साथ ही मत्स्य पालन, बकरी पालन, गौ पालन, शूकर पालन से ग्रामीणों को जोड़ कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सकता है। हमारे जनजातीय लोग महुआ, इमली, चिरौंजी आदि वनोपज का पुश्तैनी रूप से उत्पादन करते आ रहे हैं, इनका वैल्यू एडिशन कर मार्केट से जोड़ा जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य की नई उद्योग नीति में भी अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। सांसद संकुल विकास परियोजना से जुड़े जनप्रतिनिधि और विकास सहयोगी सुनिश्चित करें कि जनजातीय क्षेत्रों में नई उद्योग नीति के लाभ भी मिलें। सांसद संकुल विकास परियोजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए नोडल अधिकारियों की भी नियुक्ति की जाएगी।

बैठक में श्री वी सतीश ने सांसद संकुल विकास परियोजना की परिकल्पना और लक्ष्य से जुड़े बिंदुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि जनजातीय क्षेत्रों में लोगों को स्वरोजगार से जोड़कर पलायन रोकने की दिशा में योजना के तहत महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। इस योजना के तहत गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल जैसे जनजातीय बहुल राज्यों में आमजन, एनजीओ, जनप्रतिनिधि और सरकार के समन्वित प्रयास से समग्र विकास किया जा रहा है। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि विभिन्न विभागों से जुड़े शासकीय अधिकारी भी संकुल से जुड़े गांवों के विकास में अपनी भूमिका का पूरी निष्ठा से निर्वहन करें। स्थानीय जरूरतों की बेहतर समझ से कौशल विकास कर लोगों को स्थाई रोजगार के अवसर प्रदान किए जा सकते हैं।

बैठक में रायगढ़ के लैलूंगा संकुल, सरगुजा के परशुरामपुर संकुल, बस्तर के बकावंड संकुल, बलरामपुर के माता राजमोहिनी देवी संकुल और केशकाल के धनोरा संकुल में योजना के तहत किए गए कार्यों की विस्तार से जानकारी दी गई।

इस अवसर पर सांसद भोजराज नाग, चिंतामणि महाराज, राधेश्याम राठिया, देवेंद्र प्रताप सिंह, विधायक श्रीमती रेणुका सिंह, गोमती साय, श्री प्रसाद इंडेप, कपिल सहस्त्रबुद्धे सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी व गणमान्यजन उपस्थित थे।

राष्ट्रीय मंच पर चमका सुकमा : मुख्यमंत्री शिक्षा एवं खेल प्रोत्साहन नीति का दिखा प्रभाव

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा लागू मुख्यमंत्री शिक्षा एवं खेल प्रोत्साहन नीति के सकारात्मक परिणाम अब सुदूर वनांचल क्षेत्रों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। इसी कड़ी में हरिद्वार (उत्तराखंड) में आयोजित डीएवी राष्ट्रीय खेल आयोजन-2025 में सुकमा जिले के तीन होनहार खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है।

6 से 8 जनवरी तक आयोजित इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल मुरतोंडा (सुकमा) के कक्षा सातवीं के छात्र शुभम जामी, सौरभ मरावी एवं फ्रिोज ने छत्तीसगढ़ जोन की अंडर-14 कबड्डी टीम का प्रतिनिधित्व किया। फाइनल मुकाबलों में शानदार खेल कौशल और टीम भावना का परिचय देते हुए छत्तीसगढ़ जोन की टीम ने देश के अन्य जोनों को पराजित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया और स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया।

राष्ट्रीय स्तर पर मिली इस सफलता के बाद सोमवार को विद्यालय परिसर में विजयी खिलाड़ियों का भव्य स्वागत किया गया। विद्यालय के प्राचार्य श्री अनिरुद्ध मिश्रा ने खिलाड़ियों को स्वर्ण पदक पहनाकर सम्मानित किया और इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद जिले के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा सिद्ध की है। इस अवसर पर टीम के कोच एवं शारीरिक शिक्षा शिक्षक श्री राकेश कुमार तथा कक्षा शिक्षक श्री बलराम देवांगन का भी विशेष सम्मान किया गया।

कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय में मनाया गया युवा दिवस

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। स्वामी विवेकानंद कृषि अभियांत्रिकी एवं अनुसंधान केंद्र, कृषि अभियांत्रिकी संकाय, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में आज 12 जनवरी 2026 को स्वामी विवेकानंद जयंती (राष्ट्रीय युवा दिवस) का गरिमामय एवं प्रेरणादायी आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय परिसर में स्थित स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।

कार्यक्रम में प्रो. टोपलाल वर्मा, सेवानिवृत्त प्राध्यापक, शासकीय छत्तीसगढ़ महाविद्यालय, रायपुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कुलपति, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर डॉ. गिरीश चंदेल की विशिष्ट उपस्थिति ने समारोह को और अधिक गरिमामय बनाया। मुख्य अतिथि प्रो. टोपलाल वर्मा ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में स्वामी विवेकानंद जी के जीवन दर्शन, उनकी शिक्षाओं, राष्ट्र निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान तथा उच्च नैतिक मूल्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विश्व के अनेक देशों की तुलना में भारत में युवा जनसंख्या अत्यधिक है, जो राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति है। यदि भारतीय युवा स्वामी विवेकानंद जी के विचारों और दृष्टि को आत्मसात कर उन्हें व्यवहार में उतारें, तो वे राष्ट्र निर्माण में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सशक्त, अनुशासित एवं आदर्शवादी युवाओं की सक्रिय भागीदारी से विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप वर्ष 2047 तक भारत एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित हो सकता है।

कार्यक्रम का आयोजन डॉ. अजय वर्मा, अधिष्ठाता, कृषि अभियांत्रिकी संकाय के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। डॉ. अजय वर्मा द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर डॉ. विवेक त्रिपाठी, संचालक अनुसंधान, पूर्व अधिष्ठाता प्रो. विनय कुमार पांडे, डॉ. धनंजय शर्मा, सहायक संचालक अनुसंधान, प्रो. एम. एल. वर्मा, प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, तिल्दा सहित विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान शोधार्थी एवं छात्र प्रतिनिधि निहाल पांडेय ने कुशलतापूर्वक मंच संचालन किया तथा विद्यार्थियों से नशा, मादक पदार्थों एवं अन्य सामाजिक कुरीतियों से दूर रहकर सकारात्मक, अनुशासित एवं उद्देश्यपूर्ण जीवन अपनाने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एस. वी. जोगदंड द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

'गांव की मिट्टी से आपकी रसोई तक' स्व-सहायता समूहों के शुद्ध उत्पादों को मिली पहचानः सरगुजा नेचुरल ब्रांड से सशक्त हो रही महिलाएं

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के अंतर्गत स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को सशक्त पहचान दिलाने एवं उनके लिए स्थायी बाजार सुनिश्चित करने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा प्रभावी पहल की जा रही है।

इसी क्रम में राज्य स्तर पर 36 कला ब्रांड के माध्यम से प्रमोशन की सुव्यवस्थित रणनीति तैयार की गई है, जिसके अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न जिलों से 26 विशिष्ट उत्पादों का चयन कर एक समान मानकों के अनुरूप ब्रांडिंग, पैकेजिंग, सर्टिफिक्रेशन, प्रमोशन एवं बिक्री की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। इस पहल के अंतर्गत सरगुजा जिले से सरसों तेल का चयन किया गया है, जिसका उत्पादन बतौली एवं लुण्ड्रा विकासखंड के स्व सहायता समूहों द्वारा किया जा रहा है। इन समूहों द्वारा उत्पादित सरसों तेल की आधुनिक, आकर्षक एवं मानक अनुरूप ब्रांडिंग एवं पैकेजिंग का कार्य जिला स्तर पर स्थापित ग्रोथ सेंटर के माध्यम से किया जा रहा है। यह ग्रोथ सेंटर न केवल सरगुजा जिले बल्कि आसपास के जिलों में स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित विभिन्न उत्पादों का गुणवत्ता परीक्षण कर वैल्यू एडिशन का कार्य भी कर रहा है। इसके माध्यम से उपभोक्ताओं को शुद्ध, सुरक्षित एवं भरोसेमंद उत्पाद उपलब्ध कराए जा रहे हैं, वहीं उत्पादों का बाजार मूल्य भी बढ़ रहा है। ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए बिहान महिला किसान प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा सरगुजा नेचुरल ब्रांड का संचालन किया जा रहा है। गांव की मिट्टी से आपकी रसोई तक की सोच के साथ सरगुजा नेचुरल ब्रांड के अंतर्गत मिलेट्स आटा, गेहूं आटा, सत्तु, बरी, पापड़ सहित कुल 17 प्रकार के उत्पाद बाजार में उपलब्ध हैं।

इन उत्पादों की बढ़ती मांग से एक ओर उपभोक्ताओं को शुद्ध एवं स्थानीय उत्पाद सहज रूप से उपलब्ध हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं की आय में वृद्धि हो रही है। बिहान के सहयोग से संचालित सरगुजा नेचुरल आज गुणवत्ता, विश्वास और स्वावलंबन का प्रतीक बन गया है।

गुजराती महिला क्रिकेट क्लब, धमतरी ने रायपुर के मैदान में जीत का परचम लहराया

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के हाल की विश्व विजेता बनने से प्रेरित होकर धमतरी की गुजराती महिलाओं ने अपनी एक टीम गुजराती महिला क्रिकेट क्लब धमतरी बनायी और रायपुर में गुजराती महिला मंडल,रायपुर द्वारा प्रथम राज्य स्तरीय गुजराती महिला मंडल प्रीमियर लीग GMMPL का आयोजन 10 जनवरी 2026 को किया गया।

उसमें धमतरी महिला क्रिकेट टीम भाग लेकर विजेता बनी. उन्होंने प्रतियोगिता के तीनो मैच जीतकर प्रथम स्थान हासिल किया. पहला मैच रायपुर गुजराती स्कूल महिला टीम के साथ था पहले बेटिंग करके 157 रन बनायें और 81 रनों से जीते. फिर दूसरा मैच रायपुर गुजराती महिला मंडल टीम से हुआ पहले बैटिंग करते हुये 108 रन बनायें और 46 रन से जीतकर फाइनल में पहुंचे. फाइनल में फीर से गुजराती स्कूल महिला टीम से मैच हुआ उसमे 120 रन बनाकर अंतिम बॉल में कोमल कटारिया द्वारा रन आऊट कर जीत हासिल कर लिये. इस प्रतियोगिता में विधि मिरानी को दो मैच में वूमन ऑफद मैच और बेस्ट प्लेयर ऑफद टूर्नामेंट अवार्ड भी मिला . टीम के सभी सदस्य अर्चना फौजदार,वंदना मिरानी, संगीता गढ़वी, जागृति संघवी, विधि मिरानी, रूपल गौरी, कोमल कटारिया, मोनिका त्रिवेदी, भूमि चितालिया, राखी रायचुरा, लक्षिता गौरी, दीपिका लोहाना, प्रियंका शाह, देवांशी गढ़वी पिछले 15 दिनों से मिशन ग्राऊंड में अपनी कोच इला सोनी के निर्देशन में पसीना बहाकर प्रेक्टीस कर रहे थे. अंततः मेहनत रंग लायी और ट्राफी पर कब्जा कर लिये।

गंजेपन से मुक्ति
मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वैलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पायर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

पीआर गेम पर भड़कीं तापसी पन्नू बोलीं- दूसरों को गिराने दिए जा रहे पैसे, मैं हिट फिल्म से खुश नहीं

अभिनेत्री तापसी पन्नू अपनी महिला आधारित फिल्मों और शानदार अभिनय के अलावा, अपनी बेबाकी के लिए भी जानी जाती हैं। तापसी अक्सर हर मुद्दे पर खुलकर अपनी राय रखती हैं। अब तापसी ने इंस्ट्री में चलने वाले पीआर गेम पर अपनी राय रखते हुए इसकी आलोचना की है। साथ ही उन्होंने कहा कि वो खुद को इस पीआर गेम से दूर रखती हैं। तापसी ने पीआर को लेकर सवाल भी उठाया है।

टाइम्स नाउ के साथ बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने कहा कि आजकल इंडस्ट्री में पीआर गेम काफी बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि मैं अपने कामों में बहुत व्यस्त थी। लेकिन पिछले डेढ़-दो साल से मैंने अपनी रफ्तार धीमी कर दी है और यह एक सोची-समझी कोशिश भी थी। मैंने महसूस किया है कि यह पीआर गेम एक अलग ही स्तर पर पहुंच गया है। आप या तो खुद को आगे बढ़ाने के लिए पैसे दे रहे हैं, जो पीआर करने का एक तरीका था। आप किसी और को नीचे गिराने के लिए भी पैसे दे रहे हैं।

किसी की सफलता किसी दूसरे की असफलता पर कबसे निर्भर होने लगी

अभिनेत्री ने आगे कहा कि मुझे ये नहीं समझ में आता कि कब से आपकी सफलता किसी और की असफलता पर निर्भर करने लगी? लोग प्रासंगिक बने रहने के लिए अपने व्यक्तित्व का एक नया मुखौटा बना रहे हैं। मैं सिर्फ किसी हिट फिल्ममें होने से संतुष्ट नहीं हूं, मुझे भी अपनी एक सशक्त आवाज चाहिए, भले ही वह आपकी न हो। लेकिन आपको अपनी एक आवाज बनानी होगी। फिल्मों से परे आप जो आवाज बनाने की कोशिश कर रहे हैं, वह आपके काम से मेल नहीं खाती। यही विरोधाभास है। आप फिल्मों से परे होने की बात कर रहे हैं, लेकिन आपका काम कुछ और ही कह रहा है। मेरा मानना है कि पैसे देकर आर्टिकल छपवाने से अच्छा है, खुद पर और अपने करीबियों पर पैसा खर्च करूं।

'गांधारी' में नजर आएंगी तापसी

वर्कफ्रंट की बात करें तो तापसी पन्नू ने अपने करियर की शुरुआत 2010 में तेलुगु फिल्म 'झुम्मंडी नादम' से की थी। जबकि बॉलीवुड में उन्होंने अपना डेब्यू 2012 में आई 'चश्मे बद्दूर' से किया। तापसी आखिरी बार 2024 में आई कॉमेडी फिल्म 'खेल खेल में' नजर आई थीं। अक्षय कुमार स्टारर इस फिल्ममें तापसी के अलावा कई और कलाकार भी नजर आए थे। वहीं उनकी आगामी फिल्म 'गांधारी' है, जो ओटीटी पर रिलीज होगी।

रानी मुखर्जी ने करियर जर्नी को किया याद, बॉलीवुड में पूरे किए 30 साल, बोली- यह सच नहीं लगता'

बॉलीवुड करियर को तीस साल हो चुके हैं। उन्होंने इस सफर के दौरान कई उतार-चढ़ाव देखे और एक एक्ट्रेस के तौर पर खुद को निखारा। इस दौरान उन्होंने जो कुछ अनुभव किया, उसका जिक्र अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए किया है। यशराज फिल्म्स के सोशल मीडिया अकाउंट पर रानी मुखर्जी की यह पोस्ट शेयर की गई है। जानिए, अपनी करियर जर्नी को लेकर रानी मुखर्जी ने क्या कहा?

रानी मुखर्जी ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'तीस साल, जब मैं यह बात जोर से कहती हूं तो यह सच नहीं लगता है। लेकिन यह बात मुझे बताती है कि अगर आप दिल से कोई ऐसा काम करते हैं जिससे आप प्यार करते हैं, तो समय पंख लगाकर उड़ जाता है। आप और ज्यादा काम करना चाहते हैं। तीस साल पहले मैंने एक्ट्रेस बनने के किसी बड़े प्लान के बिना एक फिल्म सेट पर कदम रखा था। एक यंग लड़की लगभग इत्तेफाक से सिनेमा की दुनिया में आई। लेकिन मुझे इस काम से प्यार हो गया।'

अपनी पोस्ट में रानी मुखर्जी ने पहली फिल्म 'राजा की आएगी बारात' से लेकर 'साथिया', 'बंटी और बबली', 'हम तुम', 'नो वन किल्ड जेसिका' और 'ब्लैक' जैसी फिल्मों का जिक्र किया। इन फिल्मों से जुड़े अनुभव साझा किए। इनके बाद वह फिल्म 'मर्दानी' की बात करती हैं। वह पोस्ट में लिखती हैं, 'फिल्म 'मर्दानी' मेरे दिल में एक खास जगह रखती है। शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में लाउड हीरोइज्म नहीं है। इस फिल्म के जरिए मैंने जाना कि ऐसी कहानियां बताना कितना जरूरी है। यह कहानियां लोगों को असहज करती हैं लेकिन एक उम्मीद भी जगाती हैं।' आगे पोस्ट में उन्होंने शादी और मां बनने के बारे में बात की। साथ ही बताया कि कैसे इन चीजों ने उनको काम पर फोकस करने में मदद की है।

फिल्म 'मर्दानी 3' जल्द होगी रिलीज

रानी मुखर्जी के करियर फ्रंट की बात करें तो जल्द ही उनकी फिल्म 'मर्दानी 3' रिलीज होगी। इस फिल्म में एक बार फिर से वह दबंग पुलिस ऑफिसर के रोल में नजर आएंगी। फिल्म की रिलीज डेट 30 जनवरी है।

कौन हैं दिशा पाटनी के रूमर्ड बॉयफ्रेंड तलविंदर सिंह सिद्धू? शख्स के बारे में सामने आई दिलचस्प बात

दिशा पाटनी की लव लाइफहमेशा चर्चा में रही है। दिशा का नाम पहले अलेक्जेंडर एलेक्स से जोड़ा जाता था, लेकिन उन्होंने कभी इस रिश्ते को कन्फर्म नहीं किया। वहीं अब नूपुर सेनन और स्टेबिन बेन की शादी में दिशा एक मास्क पहने शख्स के साथ दिखीं। इस नकाबपोश शख्स के साथ दिशा की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। फैंस जानना चाहते हैं कि आखिर कौन हैं दिशा के रूमर्ड बॉडफ्रेंड?

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दिशा पाटनी के साथ दिखने वाला यह शख्स और कोई नहीं बल्कि तलविंदर सिंह सिद्धू है, जिन्हें स्टेज नाम तलविंदर से जाना जाता है। तलविंदर एक पंजाबी सिंगर, गीतकार और म्यूजिक प्रोड्यूसर हैं। तलविंदर सिंह सिद्धू का जन्म पंजाब के अमृतसर जिले के एक पंजाबी जाट सिख परिवार में हुआ था। तलविंदर ने सिर्फ 4 साल की उम्र से गाना शुरू कर दिया था। 14 साल की उम्र में वे सैन फ्रांसिस्को (अमेरिका) चले गए, जहां पढ़ाई के साथ-साथ संगीत सीखा। तलविंदर ट्रैप, लो-फाई, हिप-हॉप जैसे अलग-अलग स्टाइल में गाने बनाते हैं।

किसके साथ काम कर चुके हैं तलविंदर?

तलविंदर ने कई बड़े सिंगर्स के साथ गाने गाए और परफॉर्म किया है। इस लिस्ट में यो यो हनी सिंह, करण औजला और कई दूसरे आर्टिस्ट्स शामिल हैं। उन्होंने कुछ बॉलीवुड गानों में भी काम किया है, जैसे 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' (गल्ला) और 'तू मेरी मैं तेरा' (तेनु ज्यादा मोहब्बत)। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तलविंदर अपनी प्राइवेट लाइफ को करियर से अलग रखना चाहते हैं। वो मानते हैं कि नॉर्मल लाइफ जीना और चकाचौंध से दूर रहना जरूरी है। इसलिए वो स्टेज पर परफॉर्म करते वक्त चेहरे पर पेंट या मास्क लगाते हैं, ताकि उनकी पहचान छिपी रहे। फिलहाल, दिशा और तलविंदर के रिलेशनशिप की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन शादी और एयरपोर्ट के वीडियो देखकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं।

सलमान के करीबी से नाम जुड़ने पर भड़कीं माही विज, कहा- अब्बा शब्द इतना गंदा कर दिया

एक्ट्रेस माही विज ने सलमान खान के करीबियों में शामिल नदीम से नाम जुड़ने पर भड़कते हुए ट्रोलर्स को फटकार लगाई है। उन्होंने साफकहा है कि नदीम उनके पिता जैसे हैं और अब लोगों ने इस शब्द को ही गंदा कर दिया है।

माही ने एक वीडियो जारी कर इस विवाद पर रिएक्ट करते हुए कहा है, कि सब ने मुझे बोला कि इसे नजरअंदाज करो और मेरे जो लोग हैं जिनको इन चीजों के बारे में मालूम है वो जानते हैं और उन्हें इस बारे में बहुत घटिया लग रहा है। क्योंकि हम लोगों ने बहुत अच्छे से एक-दूसरे की इज्जत रखते हुए तलाक लिया है, मुझे लगता है आप लोगों को ये हजम नहीं हो रहा। आप लोगों को कंट्रोवर्सी चाहिए। नदीम जो मेरा बेस्ट फ्रेंड है और वो हमेशा मेरे बेस्ट फ्रेंड रहेगा। 6 सालों से मैं उसके लिए पोस्ट डाल रही हूं और 6 सालों से तारा उसको अब्बा बुलाती है। यह जय और मेरा फैसला था कि तारा उन्हें (नदीम को) अब्बा बुलाएगी।

'आपने वो अब्बा वर्ड इतना घटिया कर दिया है, इतना गंदा कर दिया है। मतलब आप लोगों को कर्मा से डर नहीं लगता। आप किसी भी लेवल की गंदगी तक जा सकते हैं। आपको शर्म आनी चाहिए आपको। थू है आप पर।

मार्शल आर्ट्स के टाइगर बने पवन कल्याण

साउथ के अभिनेता और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने प्राचीन तलवारबाजी आर्ट केन्जुत्सु में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इस आर्ट में महारत हासिल करके वह समुराई कम्युनिटी में शामिल हो गए हैं। यह कामयाबी उन्हें तीन दशकों तक ट्रेनिंग करने के बाद मिली है। इस कामयाबी के बाद वह ग्लोबल लेवल पर कुछ चुनिंदा लोगों में शामिल हो गए हैं।

पवन कल्याण फिल्म और राजनीति में आने से पहले से मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग कर रहे थे। उन्होंने चेन्नई में कराटे और दूसरी कलाओं की ट्रेनिंग ली। इसके बाद उनकी दिलचस्पी मार्शल आर्ट में बढ़ी। उन्होंने इस पर काम किया और ट्रेनिंग ली। उनकी कला का प्रदर्शन उनकी फिल्मों में भी देखने को मिलता है। 'खुशी', 'थम्मुडु' और 'ओजी' जैसी फिल्मों में उन्होंने मार्शल आर्ट का इस्तेमाल किया।

आपको बता दें कि पवन कल्याण ने भारत के जापानी मार्शल आर्ट के जानकार हांशी प्रोफेसर डॉक्टर सिद्दीकी महमूदी की गाइडेंस में ट्रेनिंग ली है। उनकी निगरानी में उन्होंने कैंडो की तकनीकी और फिलॉसाफिकल पर स्टडी की है। पवन कल्याण को मिला यह अवॉर्ड उनकी मेहनत और लगन को दिखाता है।

पवन कल्याण को मिले अवॉर्ड्स

- पवन कल्याण को अपनी कला दिखाने के लिए इंटरनेशनल लेवल पर कई अवॉर्ड मिल चुके हैं।
- सोगो बूडो कानरी काई से उन्हें प्रिंस्थ डैन की उपाधि दी गई है।
- गोल्डन ड्रैगन्स क्लब से उन्हें 'मार्शल आर्ट्स का टाइगर' का टाइटल मिला।
- वह सोके मुरामात्सु सेंसेई की क्लैन के तहत ताकेदा शिंगेन क्लैन में शामिल हो गए हैं।
- इस तरह वह जापान के बाहर आधिकारिक तौर पर समुराई समुदाय में शामिल होने वाले पहले भारतीय बन गए हैं।
- यह सम्मान अक्सर जापानी लोगों के लिए रिजर्व रहता है।

खास खबर

कोण्डागांव जिले के पंचायत घोड़ागांव में बनेगा उपस्वास्थ्य केंद्र

रायपुर। कोंडागांव जिले के ग्राम पंचायत घोड़ागांव में 34 लाख रूपए की लागत से उपस्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण होगा। इससे घोड़ागांव सहित आसपास के ग्रामीणों को सहजता से स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ होंगी। बस्तर प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक लता उसेंडी ने आज घोड़ागांव में उप स्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण कार्य का विधिवत् भूमिपूजन करने के साथ ही कई विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। विकास एवं निर्माण कार्यों के लोकार्पण व भूमिपूजन से इस क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को मजबूती मिलेगी। सुश्री उसेंडी ने ग्राम पंचायत माकड़ी में माता गुड़ी के समीप 5 लाख रुपये की लागत से रंगमंच निर्माण कार्य का भूमिपूजन, मुख्य मार्ग से मरिपारा पहुँच मार्ग पर 6 लाख रुपये की लागत से निर्मित पुलिया का लोकार्पण भी किया। माता मंदिर निर्माण हेतु 5 लाख रुपये की राशि स्वीकृत किए जाने की जानकारी दी। घोड़ागांव के बड़ेपारा स्थित देवगुड़ी के समीप 5 लाख रुपये की लागत से संस्कृति मंच निर्माण कार्य का भी भूमिपूजन किया गया। सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत घोड़ागांव के 13 स्कूली छात्राओं को साइकिल प्रदान की गई। घोड़ागांव में रोड से टोडरीपारा होते हुए डेगापारा तक 400 मीटर सीसी सड़क निर्माण हेतु 12 लाख रुपये की लागत से भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रीता शोरी, जनपद पंचायत कोंडागांव अध्यक्ष अनिता कोर्राम, उपाध्यक्ष टोमेंद्र सिंह ठाकुर, जनपद सदस्यगण सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

दिव्यांग युवा बन रहे आत्मनिर्भर : उज्जवल सिंह को पेट्रोल पंप में मिला रोजगार

रायपुर। समाज कल्याण विभाग रायपुर द्वारा सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत संबल केंद्र में आयोजित वॉक-इन इंटरव्यू के माध्यम से चयनित श्रवण बाधित दिव्यांगजनों को निरंतर रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी क्रम में राजधानी रायपुर के श्रवण बाधित दिव्यांग उज्जवल सिंह को एक पेट्रोल पंप में स्वागतकर्ता के पद पर नियुक्ति प्रदान की गई है। नियुक्ति प्राप्त होने पर उज्जवल सिंह ने साइन लैंग्वेज के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस अवसर से अत्यंत प्रसन्न एवं उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व में श्रवण बाधित दिव्यांगजनों को रोजगार देने को लेकर समाज में संकोच देखा जाता था, किंतु मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के संवेदनशील नेतृत्व एवं सकारात्मक प्रयासों के कारण आज दिव्यांगजन सम्मानपूर्वक रोजगार प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन रहे हैं। श्री सिंह ने इस अवसर पर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

मीडिया के सभी माध्यमों का प्रयोग कर जनसंपर्क अधिकारी अपने कार्य को बना सकते हैं प्रभावशालीः आयुक्त डॉ. रवि मित्तल

जनसम्पर्क की नई चुनौतियाँः जनसंपर्क अधिकारियों की दो दिवसीय राज्य स्तरीय कौशल संवर्धन कार्यशाला का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री के संयुक्त सचिव एवं जनसंपर्क विभाग के आयुक्त डॉ. रवि मित्तल ने कहा कि जनसंपर्क अधिकारी एक्सक्लूजिव स्टोरी तैयार करें और इसके व्यापक प्रचार के लिए मीडिया के सभी माध्यमों का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि जिन अधिकारियों की स्टोरी नेशनल और स्टेट लेवल पर प्रकाशित होगी, उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप सम्मानित किया जाएगा। आयुक्त डॉ. मित्तल नवा रायपुर स्थित संवाद के ऑडिटोरियम में जनसम्पर्क की नई चुनौतियां विषय पर जनसम्पर्क अधिकारियों की व्यावसायिक दक्षताओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कौशल संवर्धन कार्यशाला में उक्त बाते कहीं।

आयुक्त डॉ. मित्तल ने कहा कि वर्तमान दौरे में जनसंपर्क में सूचना एवं जनसंपर्क का माध्यम बदल रहे हैं। नए-नए तकनीक आ रहे हैं, जनसंपर्क अधिकारियों को भी उन तकनीकों का उपयोग कर अपने कार्य को प्रमाणिक, बेहतर और समय सीमा में पूरा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें सिर्फ प्रिंट मीडिया के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल और सोशल मीडिया का बखूबी उपयोग करना है, ताकि शासन की फैसलों को जनता तक पहुंचाया जा सके। इसके लिए अधिकारियों को नए टेक्नोलॉजी से अपडेट रहना होगा। उन्होंने इस मौके पर पत्रकारिता स्कूल-कॉलेजों के बच्चों को भी जनसंपर्क विभाग में इंटरशीप का अवसर देने पर बल दिया।

उद्घाटन सत्र में वरिष्ठ अधिकारियों में अपर संचालक जवाहरलाल दरियो, संजीव तिवारी, उमेश मिश्रा, आलोक देव ने जनसेवा में स्पष्ट, सरल और समयबद्ध संवाद की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जनसंपर्क के लिए प्रभावी संवाद सबसे बड़ी आवश्यकता है। प्रतिभागियों को दो दिनों तक चलने वाले सत्रों की रूपरेखा और अपेक्षाओं से अवगत कराया गया। अधिकारियों ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य समाचार लेखन, टेलीविजन सहभागिता और सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग के माध्यम से जनसंपर्क को अधिक सशक्त, आधुनिक, संवेदनशील और उन्मुखी बनाना है।

कार्यशाला के प्रथम दिवस की शुरुआत पाठक-अनुकूल लेखन सरकारी समाचार को आकर्षक बनाना विषयक सत्र से हुई, जिसमें दैनिक भास्कर के संपादक शिव दुबे ने मार्गदर्शन दिया। उन्होंने सरकारी आदेशों और सूचनाओं से जनता से जुड़ी मुख्य बात को पहचानने, सरल और सुबोध भाषा के प्रयोग, प्रभावी हेडलाइन एवं लीड पैराग्राफलिखने की जानकारी दी। साथ ही, प्रेस विज्ञप्ति की संरचना, उपयुक्त उद्धरणों के प्रयोग तथा संकट के समय मीडिया से संतुलित और समयबद्ध संवाद की आवश्यकता पर भी विस्तार से चर्चा की। द्वितीय सत्र में आकाशवाणी के समाचार संपादक विकल्प शुक्ला ने टेलीविजन मीडिया की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला। उन्होंने शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों को विजुअल स्टोरी के रूप में प्रस्तुत करने, टीवी कवरेज के लिए आवश्यक तत्वों, कैमरे पर संक्षिप्त बाइट लेने और फैक्ट शीट के महत्व की जानकारी दी।

तीसरे सत्र में सोशल मीडिया और एआई टूल्स के उपयोग पर चर्चा हुई। सोशल मीडिया, डिजिटल मार्केटिंग और एआई विशेषज्ञ राकेश साहू ने एआई डिजिटल टूल्स का उपयुक्त उपयोग कर फोटो, वीडियो एडिटिंग के बारे में मार्गदर्शन दिया।

आज के अंतिम सत्र में जनसंपर्क संचालनालय, भोपाल के सेवानिवृत्त संचालक लाजपत आहूजा ने पीआर टूल बॉक्स, स्टेकहोल्डर प्रबंधन तथा आपातकालीन संचार (क्राइसिस कम्युनिकेशन) से जुड़े तुरंत उपयोग योग्य उपकरणों की जानकारी दी। कार्यशाला में राज्यभर से आए जनसंपर्क अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

शिक्षा के साथ संस्कार का होना आवश्यक- मंत्री टंक राम वर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वामी विवेकानंद जी की 163वीं जयंती एवं राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर रायपुर में युवाओं के उत्साह और राष्ट्रप्रेम का भव्य प्रदर्शन देखने को मिला। इस अवसर पर सुभाष स्टेडियम से स्वामी विवेकानंद सरोवर तक स्वदेशी संकल्प दौड़ का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रप्रेम, स्वदेशी भावना और सकारात्मक सोच का विकास करना रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा एवं राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने युवाओं को आत्मविश्वास, चरित्र और राष्ट्रसेवा का मार्ग दिखाया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार का होना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन नहीं

बल्कि व्यक्तित्व और चरित्र निर्माण का माध्यम भी है।

मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति का आधार उसकी युवा शक्ति होती है। भारत आज आज़ादी के अमृतकाल में प्रवेश कर चुका है और देश की जनसंख्या में युवाओं की बड़ी भागीदारी इसे विश्व मंच पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाला दशक युवा शक्ति के परिश्रम, ऊर्जा और नवाचार से भारत को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि इस लक्ष्य की प्राप्ति में युवाओं की भूमिका निर्णायक होगी। साथ ही मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों की भी सराहना की। इस अवसर पर मंत्री टंकराम वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर स्वदेशी संकल्प दौड़ को रवाना किया तथा उपस्थित युवाओं को स्वदेशी अपनाने और राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प दिलाया।

कार्यक्रम में धरसीवां विधायक अनुज शर्मा, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, निजी विश्वविद्यालय संघ के अध्यक्ष विजय कुमार गोयल, सचिव उच्च शिक्षा विभाग डॉ. एस. भारतीदासन,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उम्मेद सिंह, नगर निगम आयुक्त विश्वदीप, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी, युवा एवं नागरिक उपस्थित रहे।

32 हितग्राहियों मोर जमीन मोर मकान के तहत मिला लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत गणराज्य के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी की जनहितैषी मंशा के अनुरूप संचालित केन्द्र सरकार की अभिनव लोककल्याणकारी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मोर जमीन मोर मकान घटक का क्रियान्वयन रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में नगर निगम रायपुर के माध्यम से छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरुण साव के मार्गदर्शन और रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर मीनल चौबे और आयुक्त विश्वदीप के मार्गनिर्देशन में तेज गति से निरन्तर प्रगति पर है। आज नगर पालिक निगम रायपुर के मुख्यालय भवन के महापौर कक्ष में महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने नगर निगम जोन 3 जोन अध्यक्ष श्रीमती साधना प्रमोद साहू, एमआईसी सदस्य संतोष सीमा साहू, अमर गिदवानी, पार्षद श्रीमती पुष्पा रोहित साहू, राजेश गुप्ता की उपस्थिति में नगर निगम जोन 3 क्षेत्र के वार्डों के रहवासी 32 हितग्राहियों को केन्द्र सरकार की अभिनव प्रधानमंत्री आवास योजना के करने भवन अनुज्ञा स्वीकृति पत्र प्रदत्त किये. इस दौरान नगर निगम रायपुर के अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर, जोन 3 उप अभियंता नगर निवेश अक्षय भारद्वाज की उपस्थिति महापौर कक्ष में रही।

ऑनलाइन टोकन से लेकर त्वरित भुगतान तकः धान खरीदी व्यवस्था से संतुष्ट किसान चमरा सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा धान खरीदी की सुव्यवस्थित, पारदर्शी और किसान-हितैषी व्यवस्था आज प्रदेश के किसानों के लिए भरोसे का आधार बन चुकी है। सर्वाधिक समर्थन मूल्य, ऑनलाइन टोकन प्रणाली और त्वरित भुगतान जैसी पहलें किसानों को न केवल आर्थिक संबल दे रही हैं, बल्कि उन्हें सम्मान और आत्मविश्वास भी प्रदान कर रही हैं। इसी व्यवस्था का लाभ लेकर पाली विकासखण्ड के ग्राम डोड़की के किसान चमरा सिंह ने इस खरीफ वर्ष में उपार्जन केंद्र चैतमा में 54 क्विंटल धान का सफलतापूर्वक विक्रय किया। श्री सिंह के पास कुल 4.5 एकड़ कृषि भूमि'' है, जिस पर वे परंपरागत रूप से धान की खेती करते हैं। राज्य सरकार की प्रभावी धान खरीदी प्रणाली का लाभ उन्हें निरंतर मिल रहा है।

ऑनलाइन टोकन प्रणाली के कारण उन्हें किसी प्रकार की भीड़, अव्यवस्था या अनिश्चितता का सामना नहीं करना पड़ा। तय समय पर केंद्र पहुंचकर उन्होंने सहज और पारदर्शी तरीके से अपना धान बेचा। पिछले खरीफसीजन में भी सिंह ने 60 क्विंटल धान का विक्रय किया था, जिसका भुगतान उन्हें समर्थन मूल्य पर सीधे और समयबद्ध तरीके से प्राप्त हुआ। इससे वे न केवल खेती की लागत निकाल पाए, बल्कि अगली फसल की तैयारी भी आत्मविश्वास के साथ कर सके।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने की राजिम कुंभ की तैयारियों की समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने महानदी भवन, नवा रायपुर स्थित मंत्रालय में राजिम कुम्भ (कल्प) मेला-2026 की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। 1 से 15 फरवरी तक गरियाबंद जिले के त्रिवेणी संगम पर लगने वाले इस विशाल धार्मिक आयोजन को पूर्ण गरिमा, दिव्यता एवं भव्यता के साथ संपन्न करने के निर्देश दिए।

श्री अग्रवाल ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं समन्वित रूप से सभी आवश्यक

व्यवस्थाएं पूरी पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। उन्होने कहा कि सभी तरह की आवश्यक व्यवस्थाएं 1 फरवरी से पहले पूर्ण हो जानी चाहिए। श्री अग्रवाल ने सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता, लाखों श्रद्धालुओं के संगम स्नान हेतु व्यापक सुरक्षा बल तैनाती, जल प्रबंधन, आवागमन-सुविधा, सड़क, पार्किंग, शटल सेवा, संत-महात्माओं के लिए विश्राम गृह और कांवड़ियों हेतु शेड, चिकित्सा, भोजन, आपातकालीन चिकित्सा केंद्र, दाल-भात केन्द्र, पेयजल व्यवस्था, सांस्कृतिक आयोजन, भक्ति संगीत, लोकनृत्य, अखाड़ा जुलूस, मीना बाजार एवं अन्य पहलुओं की व्यापक एवं गहन समीक्षा की।

कलेक्टर गरियाबंद बी एस उइके द्वारा पॉवर पाइंट प्रजेन्टेशन दिया गया। बैठक में महासमुंद सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, विधायकद्वय रोहित साहू एवं इंदर साहू, धर्मस्व विभाग के सचिव अविनाश चंपावत, रायपुर संभाग कमिश्नर महादेव कावरे, कलेक्टर गरियाबंद बी एस उइके उपस्थित थे।

माइनिंग डंप में हरित क्रांति-कोरबा गांधीसागर डंप क्षेत्र में वृक्षारोपण : एसईसीएल और वन विकास निगम की पर्यावरणीय पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के औद्योगिक वृक्षारोपण मंडल, कोरबा द्वारा माइनिंग डंप क्षेत्रों में किया जा रहा वृक्षारोपण पर्यावरण संरक्षण का एक सफल और प्रेरक उदाहरण बन गया है। औद्योगिक वृक्षारोपण का मुख्य उद्देश्य खदानों से होने वाले भूमि क्षरण, प्रदूषण, जैव विविधता की हानि और मिट्टी कटाव जैसी पर्यावरणीय समस्याओं को कम करना है। साथ ही उजड़े हुए क्षेत्रों में हरित आवरण बढ़ाकर स्थानीय लोगों के लिए रोजगार भी सृजित किए जा रहे हैं।

कोयला खदानों के दौरान बड़ी मात्रा में मिट्टी, मुरुम, पत्थर और अपशिष्ट पदार्थ निकालकर डंप में जमा किए जाते हैं। इन क्षेत्रों में प्राकृतिक मिट्टी की कमी, कम उर्वरता और कम नमी के कारण वृक्षारोपण चुनौतीपूर्ण होता है। इसके बावजूद निगम द्वारा डंप पर 20-30 सेमी उपजाऊ मिट्टी बिछाकर रोपण के लिए उपयुक्त वातावरण तैयार किया गया।

औद्योगिक वृक्षारोपण मंडल, परिक्षेत्र कोरबा में वर्ष 2019 में गांधीसागर डंप क्षेत्र का चयन किया गया। कुल 19 हेक्टेयर क्षेत्र में 47 हजार 500 पौधों का रोपण किया गया। पथरीली, कोयला अपशिष्ट युक्त और पहाड़ी संरचना होने के बावजूद यह रोपण आज एक सघन, हराभरा मानव निर्मित जंगल का रूप ले चुका है। यहां पक्षी, गिलहरी, सियार आदि वन्य प्राणियों की संख्या बढ़ने से जैव विविधता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

क्षेत्र का चयन एसईसीएल एवं निगम के अमले द्वारा संयुक्त निरीक्षण से किया गया। जीपीएस सर्वे और सीमांकन उपरांत 2-2 मीटर अंतराल पर 45-45-45 से.मी. के गड्ढे खोदे गए। 720 रनिंग मीटर क्षेत्र में फेंसिंग कर सुरक्षा सुनिश्चित की गई। निगम की रोपणी से 3द्4 फीट ऊंचाई के उच्च गुणवत्ता वाले पौधे (नीम, शीशम, सिरिस, कचनार, करंच, बांस, आंवला आदि) लाकर रोपण किया गया। पहले और दूसरे वर्ष मृत पौधों का प्रतिस्थापन तथा नियमित सिंचाई, गुड़ाई, सुरक्षा और खाद डालने का कार्य किया गया।

5 वर्ष की देखरेख के बाद एसईसीएल को क्षेत्र का हस्तांतरण

वर्ष 2019 से 2024 तक पाँच वर्ष की नियमित देखरेख के बाद सफल वृक्षारोपण क्षेत्र का हस्तांतरण वित्तपोषित संस्था एसईसीएल कोरबा को किया गया। आज गांधीसागर डंप यह साबित करता है कि श्जहां था खनन अपशिष्ट, वहां अब है हरियाली -बंजर खदान से हराभरा भविष्य यह परियोजना न सिर्फपर्यावरण सुधार का उत्कृष्ट उदाहरण है, बल्कि यह दिखाती है कि वैज्ञानिक तरीके से किए गए डंप रोपण से किसी भी उजड़े क्षेत्र को हरा-भरा जंगल बनाया जा सकता है।

खास खबर

नाबालिग बेटी से दुष्कर्म के मामले में पिता को आजीवन कारावास

बलौबाजार। भाटापारा शहर थाना क्षेत्र के एक बेहद गंभीर और शर्मनाक मामले में न्यायालय ने कड़ा फैसला सुनाया है। अपनी ही 9 वर्षीय नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म और जान से मारने की धमकी देने के दोषी पिता विष्णु पवार को न्यायालय ने आजीवन कठोर कारावास की सजा सुनाई है। यह मामला भाटापारा के ईश्वरी प्रसाद धुरंधर वार्ड से जुड़ा हुआ है। विशेष लोक अभियोजक संजय बाजपेयी ने बताया कि पीड़िता की मां ने 14 सितंबर 2023 को भाटापारा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, 26 अप्रैल 2023 को आरोपी ने अपनी नाबालिग बेटी को अकेला पाकर उसके साथ दैहिक शोषण किया। घटना सामने आने पर आरोपी ने अपराध स्वीकार करते हुए रिपोर्ट दर्ज कराने पर जान से मारने की धमकी दी और फरार हो गया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर साक्ष्य संकलन, गवाहों के बयान और विवेचना पूरी की। फरार आरोपी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया और 19 अगस्त 2024 को उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। सभी साक्ष्यों और गवाहों के बयान के आधार पर अपर सत्र न्यायाधीश सतीश कुमार जायसवाल ने आरोपी को पाक्सो एक्ट के तहत दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। यह फैसला बाल अपराधों के खिलाफ कड़ा संदेश माना जा रहा है।

चंद रुपयों के लिए बड़े ने छोटे भाई को उतारा मौत के घाट, आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा। रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक सनसनीखेज वारदात छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले से सामने आई है। यहाँ के देवरबीजा चौकी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इंदिरा आवास में पैसों के मामूली विवाद ने ऐसा खूनी रूप लिया कि एक बड़े भाई ने अपने ही सगे छोटे भाई की बेरहमी से हत्या कर दी। मिली जानकारी के अनुसार, इंदिरा आवास निवासी जगमोहन देशलहरे और उसके छोटे भाई जग्नू देशलहरे के बीच पिछले कुछ समय से पैसों के लेनदेन को लेकर खींचतान चल रही थी। सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात इसी बात को लेकर दोनों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि जगमोहन ने अपना आपा खो दिया और घर में रखे सब्बल से जग्नू पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमला इतना भीषण था कि जग्नू को संभलने का मौका तक नहीं मिला और अत्यधिक चोट लगने के कारण उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हुए, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। घटना की खबर मिलते ही देवरबीजा चौकी प्रभारी रेशम लाल भास्कर पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी भाई जगमोहन को हिरासत में ले लिया है।

कलेक्टर के निर्देश पर गढ़डोंगरी माल स्थित राइस मिल सील

धमतरी। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर विकासखंड स्तरीय उड़नदस्ता दल नगरी द्वारा गढ़डोंगरी माल स्थित गजराज एग्रो इंडस्ट्रीज का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मिल संचालक प्रशान्त चोपड़ा की फर्म में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं।मिल परिसर में उपलब्ध अभिलेखों के अनुसार भौतिक सत्यापन करने पर 3795.84 क्विंटल धान एवं 209 क्विंटल चावल की कमी पाई गई। उक्त अनियमितता के आधार पर कार्रवाई करते हुए मिल परिसर में संधारित 17190.40 क्विंटल धान एवं 35 क्विंटल चावल को जब्त किया गया। मिल संचालक की अनुपस्थिति में जब्त सामग्री को मिल के मुंशी की सुपुर्दगी में सौंपते हुए राइस मिल को सील बंद करने की कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में राजस्व विभाग के अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नगरी, अधिकारी तथा मंडी विभाग के उप निरीक्षक उपस्थित रहे।

प्राचार्य से 22 लाख की ठगी: लाइक-शेयर टास्क पूरा करने मुनाफे का लालच

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंस्टाग्राम और फेसबुक आईडी में जाकर लाइक-शेयर टास्क पूरा करने पर मुनाफा देने का झांसा देकर साइबर ठगों ने सेंट पाल्स स्कूल की प्राचार्य मनीषा कुलदीप से 22 लाख की ठगी कर ली। प्राचार्य ने मामले की शिकायत रायपुर के सरस्वती नगर थाने में की है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है।

प्राचार्य मनीषा कुलदीप ने पुलिस को बताया कि, वो भवानी नगर कोटा में रहती है। उन्हें साइबर ठगों ने पहले 20 सितंबर को क्वालिटी टास्क लिंकेज नामक एक टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ा। जिसमें लोग ऑनलाइन टास्क पूरा करने पर इनकम के बारे में बात करते थे। यह देखकर वह भी तैयार हो गईं। तब इंस्टाग्राम और फेसबुक आईडी में जाकर लाइक-शेयर करने कहा गया और अकाउंट डिटेल लिए गए। पहले उन्हें 150 रुपए और इसके बाद 500 जमा कराने पर 730 रुपए का भुगतान भी किया गया। इसके बाद और बड़ी रकम जमा करने कहा गया। ठगों की बातों में आकर उन्होंने पहली बार में पांच लाख जमा किया और फिर धीरे-धीरे उन्होंने लोन लेकर और अपने पति और भाई से लेकर 22 लाख 11 हजार रुपए जमा करवा दिए। प्राचार्य के पैसे जमा करने के बाद साइबर ठगों ने पैसा रिफंड नहीं किया और रजिस्ट्रेशन के नाम पर लगातार पैसे जमा करने का दबाव बनाने लगे।

आरोपियों की इस हरकत से प्राचार्य को अपने साथ ठगी का एहसास हुआ तो उन्होंने पैसा मांगा। प्राचार्य के पैसे मांगने पर आरोपियों ने ग्रुप में रिप्लाई देना बंद कर दिया। पीड़िता ने आरोपियों की इस हरकत के बाद पुलिस में शिकायत की है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है।

सेंट पाल्स स्कूल की प्राचार्य से साइबर ठगों ने ठगे 22 लाख। पुलिस की जांच में सामने आया है कि ठगों ने कर्नाटक बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बंधन बैंक, केनरा बैंक और किशन कुमार नाम के व्यक्ति के खाते में पैसे जमा किए है। पुलिस इन खातों की जांच कर रही है।

सरस्वती नगर पुलिस के अनुसार, प्राचार्य की शिकायत पर केस दर्ज किया है। मामले में जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने साइबर ठगों से सतर्क रहने की अपील राजधानीवासियों से की है। साइबर ठगी क्राइम के आकंड़ों के मुताबिक, ठगों और उनके पैटर्न को लेकर पुलिस लगातार जिलेवासियों को जागरूक कर रही है। पुलिस के जागरूकता अभियान के बाद भी ठग लगातार जिलेवासियों को ठग रहे है। पुलिस के मुताबिक साल 2025 में रायपुर जिले में 11 करोड़ से ज्यादा ठगी की मामला सामने आया है।

वन विकास निगम ने दो ट्रैक्टर और सागौन की लकड़ी की जब्ती

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम ने वन की अवैध कटाई, अतिक्रमण और अवैध उत्खनन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सभी परियोजना मंडलों में नियमित निरीक्षण और संयुक्त गश्त तेज कर दी है। प्रबंध संचालक के निर्देशानुसार दिन-रात की गश्त से वन सुरक्षा में सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

इसी कड़ी में कोटा परियोजना मंडल, बिलासपुर की टीम ने गश्त के दौरान दो बड़ी कार्रवाइयाँ कीं। तेंदुआ परिक्षेत्र के कक्ष क्रमांक क्र-128 में गश्ती दल के पहुंचते ही आरोपी सागौन के चार लट्ठे (0.149 घन मीटर) छोड़कर फरार हो गए। लकड़ी जब्त कर प्रकरण दर्ज किया गया। वहीं, कोटा परिक्षेत्र के कक्ष क्रमांक RF-172 में नाले से अवैध रेत व मिट्टी उत्खनन कर ट्रैक्टर से परिवहन करते हुए दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को घेराबंदी कर जब्त किया गया।

जब्त वाहनों में ट्रैक्टर क्रमांक CG-04DT-8490 (महिंद्रा, लाल रंग) चालक/स्वामी बुधराम सिंह मरकाम तथा जॉन डियर (हरा) चालक/स्वामी ओमप्रकाश मरावी, दोनों निवासी सरईपाली शामिल हैं। आरोपियों के विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 1(ख) के तहत प्रकरण दर्ज कर वाहनों को राजसात हेतु प्राधिकृत अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया। कार्रवाई क्षेत्रीय महाप्रबंधक अभिषेक सिंह और मंडल प्रबंधक सत्यदेव शर्मा के मार्गदर्शन में परियोजना परिक्षेत्र अधिकारी वैभव साहू के नेतृत्व में की गई।

युवक की संदिग्ध आत्महत्या परफ्यूम पीने के बाद लगाई फांसी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा-कटघोरा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के कटघोरा क्षेत्र से एक दर्दनाक मामला सामने आया है, जहां एक युवक ने कथित तौर पर पहले परफ्यूम पीया और फिर घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। चार दिन तक इलाज के बाद युवक की जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में शोक का माहौल है, वहीं मामले को लेकर पुलिस जांच में जुटी हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कटघोरा निवासी 28 वर्षीय विद्यासागर मिस्त्री पेशे से कारीगर था। उसकी शादी वर्ष 2025 में हुई थी और उसकी पत्नी वर्तमान में सात माह की गर्भवती है। सोमवार 5 जनवरी को वह बाहर से घर लौटा और अपने छोटे भाई से ऑनलाइन मंगाया हुआ परफ्यूम मांगा। इसके बाद उसने परफ्यूम लगाया और उसे लेकर अपने कमरे में चला गया, जहां कथित तौर पर परफ्यूम पीने के बाद फांसी लगा ली। कुछ समय बाद जब परिजनों को इसकी जानकारी हुई, तो उन्होंने उसे तत्काल नीचे उतारकर कटघोरा सरकारी अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया, जहां चार दिन तक इलाज चला, लेकिन अंततः उसकी मौत हो गई।

घटनास्थल से परफ्यूम की खाली शीशी बरामद की गई है। परिजनों ने कटघोरा थाना पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मृतक के बड़े भाई बजरंग सिंह उइके ने बताया कि विद्यासागर स्वभाव से शांत और शालीन था, हालांकि पिछले कुछ समय से उसकी मानसिक स्थिति अस्थिर रहती थी। परिजनों का दावा है कि वह जादू-टोना और अंधविश्वास के कारण मानसिक रूप से परेशान था।

दुर्ग में टीचर के घर से 75 हजार की चोरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले में एक शिक्षिका के घर से 75 हजार की चोरी हुई है। ग्राम बठेना में 10 जनवरी को चोरों ने चंचल साहू के सूने मकान को निशाना बनाते हुए वारदात को अंजाम दिया। मामला पाटन थाना क्षेत्र का है। घर का ताला तोड़कर चोर न सिर्फघर से सोना-चांदी और नकदी ले गए, बल्कि पहचान छिपाने के लिए घर में लगे सीसीटीवी कैमरे को भी तोड़ दिया और डीवीआर साथ ले गए। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार, पीड़िता चंचल साहू ग्राम बठेना में अपने माता-पिता के साथ रहती हैं और शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला खम्हरिया में शिक्षिका के पद पर कार्यरत हैं। चंचल साहू ने पाटन थाने में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 10 जनवरी की शाम करीब 4 बजे वह अपने माता-पिता के साथ अपनी दीदी के घर धनोरा गई थीं। घर में ताला लगाकर सभी लोग बाहर गए थे, इसी दौरान चोरी हुई। 12 जनवरी की सुबह करीब 7:30 बजे गांव के ही पोषण साहू ने शिक्षिका चंचल साहू को फोन कर सूचना दी कि उनके घर के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ है। सूचना मिलते ही चंचल साहू अपने माता-पिता और जीजा अरुण कुमार साहू के साथ तुरंत ग्राम बठेना स्थित अपने घर पहुंचीं। वहां देखा गया कि मुख्य दरवाजे की कुंडी टूटी हुई थी और घर के अंदर का पूरा सामान बिखरा पड़ा था।

पीड़िता के अनुसार आलमारियों के ताले तोड़े गए थे और ऊपर के कमरे में रखी अलमारी का सामान भी बाहर फैला दिया गया था। सामान का मिलान करने पर घर से एक नग सोने की चैन, एक नग सोने का झुमका, दो नग पुराने इस्तेमाल के चांदी के सिक्के और नकद 50 हजार रुपए गायब पाए गए। चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब 75 हजार रुपए बताई गई है। चोरों ने घर में लगे सीसीटीवी कैमरे को भी क्षतिग्रस्त कर दिया और डीवीआर अपने साथ ले गए, जिससे उनकी पहचान करना मुश्किल हो सके। पीड़िता ने घटना की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आसपास के क्षेत्र में पूछताछ शुरू कर दी है और जल्द ही आरोपियों को पकड़ने का दावा किया जा रहा है। पुलिस चोरों की तलाश में जुटी है।

सर्तक ऐप से सख्त निगरानी : धरसीवां में 200 क्विंटल धान व वाहन जप्त, मिल को किया गया सील

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विकसित सर्तक ऐप के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के आधार पर जिले के धान उपार्जन केंद्रों, राइस मिलों एवं समितियों में सघन जांच अभियान निरंतर संचालित किया जा रहा है।

इसी क्रम में आज धरसीवां विकासखंड के ग्राम दोंदेकला स्थित प्राथमिक कृषि साख सेवा सहकारी समिति में संयुक्त जांच दल द्वारा जांच की गई। जांच के दौरान पीडी राइस मील के संचालक नूतन अग्रवाल, पति प्रदीप अग्रवाल से संबंधित 500 कट्टा (200 क्विंटल) धान एवं परिवहन में प्रयुक्त वाहन क्रमांक सीजी 04 जेई 0813 को जप्त एवं राइस मील को सील किया गया। सर्तक ऐप के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का तीन दिवस के भीतर निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे जिले में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई संभव हो पा रही है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत धान खरीदी एवं उठाव की निगरानी के लिए राज्य शासन द्वारा इस वर्ष सर्तक ऐप के माध्यम से नई तकनीकी व्यवस्था लागू की गई है। इसके अंतर्गत धान खरीदी एवं परिवहन की ऑनलाइन मॉनिटरिंग की जा रही है। जीपीएस तकनीक से वाहनों की ट्रैकिंग की जा रही है तथा संवेदनशील उपार्जन केंद्रों में लगाए गए कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी रखी जा रही है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में भी मंडी अधिनियम के अंतर्गत अनियमितताओं पर धान जप्ती एवं जुर्माने की कार्रवाई की जा चुकी है। इस संबंध में अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर ने बताया कि सर्तक ऐप से प्राप्त शिकायतों पर आगामी तीन दिनों के भीतर राजस्व, मंडी एवं खाद्य विभाग की संयुक्त टीम द्वारा सघन जांच की जाएगी। जांच में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित राइस मिलों को काली सूची में डालने एवं आवश्यकतानुसार सील करने की कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं किसान हितैषी बनाए रखने के लिए सतत निगरानी एवं कठोर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी युवक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। जिले की डिंडो पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के एक गंभीर मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। आरोपी की पहचान मनोज कुमार पंडो (25 वर्ष), निवासी ग्राम महादेवपुर खुटरापारा के रूप में हुई है। आरोपी पर नाबालिग को शादी का झांसा देकर घर से भगाने और उसके साथ शारीरिक शोषण करने का आरोप है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, डिंडो चौकी में पीड़िता के परिजनों द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत में बताया गया कि आरोपी ने नाबालिग लड़की को शादी का झांसा देकर अपने साथ रखा और इस दौरान उसका शारीरिक शोषण किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल अपराध दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की, जिसमें उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया।

इसके बाद पुलिस ने उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। डिंडो पुलिस ने बताया कि नाबालिग और उसके परिजनों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। पुलिस का कहना है कि नाबालिगों के खिलाफ अपराधों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

गैस सिलेंडर लदी पिकअप में भीषण आग, हाईवे पर मची अफरा-तफरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में नेशनल हाइवे-53 पर उस वक्त हड़कंप मच गया, जब गैस सिलेंडरों से भरी एक पिकअप वाहन में अचानक आग लग गई।

आग लगते ही वाहन में रखे सिलेंडर एक के बाद एक मिसाइल की तरह उड़ते हुए जोरदार धमाकों के साथ फटने लगे। इस खौफनाक घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

घटना सिंघोड़ा थाना क्षेत्र के छुईपाली गांव के पास की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के

अनुसार, पिकअप वाहन में अचानक आग भड़क उठी और देखते ही देखते उसमें रखे गैस सिलेंडर ब्लास्ट होने लगे। धमाकों की आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी, जिससे हाईवे पर यातायात पूरी तरह से ठप हो गया और आसपास के इलाके में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया। कलेक्टर विनय कुमार लहंगे और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रतिभा पांडे मौके पर पहुंचे।

सुरक्षा को देखते हुए पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई और आम लोगों को घटनास्थल से दूर रखा गया, ताकि किसी प्रकार की जनहानि न हो। प्रशासन और पुलिस की टीम आग पर काबू पाने और स्थिति को नियंत्रण में लाने में जुटी रही। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, हालांकि बड़ा हादसा टलने से सभी ने राहत की सांस ली। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

अवैध शराब तस्करी पर प्रशासन का कड़ा प्रहार, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरिया। छत्तीसगढ़ शासन की आबकारी सचिव आर. संगीता और कोरिया जिले की कलेक्टर चंदन त्रिपाठी के निर्देश पर अवैध शराब निर्माण, बिक्री और तस्करी के विरुद्ध जिले में लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। जिला आबकारी अधिकारी रमेश कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में विभाग सख्ती से कार्यवाही कर रहा है। कंट्रोल रूम बैकुण्ठपुर में सहायक जिला आबकारी सपना सिंन्हा को मुखविर से प्राप्त सूचना के आधार पर लगातार छापामार कार्यवाही की जा रही है।

ग्राम छोटे साल्ही थाना-बैकुण्ठपुर निवासी मोहरमनिया पति मनिराम के घर की तलाशी लेने पर 10 लीटर अवैध शराब जप्त किया गया। मोदी पारा थाना-बैकुण्ठपुर शिवराज सिंह आ0 जगदेव के घर बाडी की छापा कर 08 लीटर हाथभट्टी अवैध शराब जप्त किया गया। ग्राम बसेर थाना चरचा मनी सिंह आ0 जगरनाथ के घर से 9.8 लीटर शराब जप्त किया गया। ग्राम बसेर में ही जानकी पति धौकल सिंह के घर से 8 लीटर जरकिन और बोतलो में भरी अवैध शराब जप्त किया गया। चार आरोपियो के विरूध छ.ग आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) क 34(2), एवं 59क के तहत प्रकरण कायम कर जिला न्यायालय बैकुण्ठपुर में न्यायिक रिमाण्ड हेतु प्रस्तुत किया गया, माननीय न्यायाधीश द्वारा आरोपी को 14 दिनों के लिये जेल भेजने का आदेश दिया गया। सहायक जिला आबकारी अधिकारी, मुख्य आरक्षक, आरक्षक तथा नगर सैनिक का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग
मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भः- जिला- दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न.-00049 रिसाली ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-CG-2025-26-112-1-2494

ईश्तहार

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00049 के अंतर्गत ग्राम रिसाली के वर्तमान भूमिस्वामी ईश्वर प्रसाद पिता/पति-स्व पटवारी रजक पता-मकान नं 30 एडीपॉकेट मरोदा सेक्टर भिलाई तह व जिला दुर्ग छग, प्रकाश कुमार पिता/पति-स्व पटवारी रजक पता-मकान नं 30 ए डीपॉकेट मरोदा सेक्टर भिलाई तह व जिला दुर्ग छग के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 696/13(0.0093), 696/13 (0.0093) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 16/01/2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय तहसीलदार दुर्ग पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 07/01/2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार: Prafull Kumar Gupta
तहसील दुर्ग

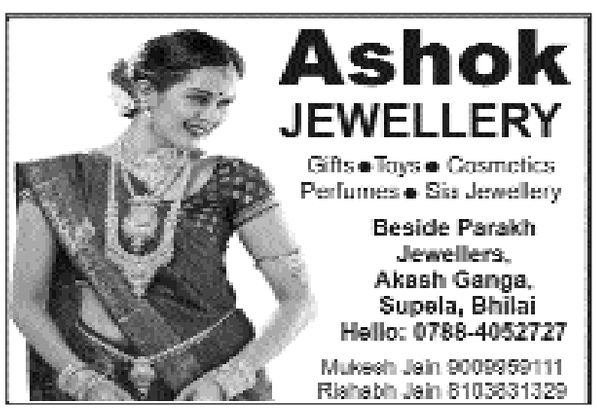

प्रमुख खबरें

पीएम आवास योजना में शून्य प्रगति पर 9 का वेतन रोका

कोरबा। जिला पंचायत कोरबा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिनेश कुमार नाग ने जनपद पंचायत कोरबा अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत संचालित आवास निर्माण कार्यों की गहन समीक्षा की। शून्य प्रगति एवं लापरवाही पाए जाने पर सीईओ ने सख्त रुख अपनाते हुए 9 संबंधित कर्मचारियों के वेतन आहरण पर तत्काल रोक लगाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही समीक्षा बैठक में बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाए गए 7 ग्राम सचिव एवं 11 रोजगार सहायकों सहित कुल 18 कर्मचारियों के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

डेयरी संचालक पर किया 10 हजार रूपये का जुर्माना

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम स्वास्थ्य विभाग को प्राप्त डेयरी में गन्दगी की जनशिकायत को तत्काल संज्ञान में लेते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा जोन 5 क्षेत्र अंतर्गत भक्त माता कर्मा वार्ड 67 अंतर्गत भाठागांव क्षेत्र में आवासीय क्षेत्र में संचालित नीलकंठ डेयरी का औचक निरीक्षण किया गया। गन्दगी और प्रदूषण सहित डेयरी की भैंसों को सड़क पर छोड़े जाने की जनशिकायत सही मिली। भाठागांव सड़क मार्ग पर डेयरी की 10 भैंसों की धरपकड़ कर उन्हें लाखेनगर कांजी हाउस भेज दिया। संचालक पर तत्काल 10000 रूपये का ई जुर्माना किया गया।

भारत के बजट पूर्व बैठक में शामिल हुए वित्तमंत्री चौधरी

रायपुर। एक फरवरी को केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मलासीतारमन द्वारा केंद्रीय बजट पेश किया जाएगा। बजट में केन्द्रीय वित्तमंत्री केन्द्रांश योजनाओ के लिए अधिक से अधिक राशि देने की मांग की गई है। इस बैठक में छत्तीसगढ़ की ओर से वित्तमंत्री ओपी चौधरी शामिल हुए। ज्ञात रहे कि जीएसटी के पश्चात राज्य में केन्द्र सरकार पर ही निर्भर रहना पड़ता है जिसके चलते यहां पर एक बड़ी राशि केन्द्र से राज्य को मिलती है। इस तरह केन्द्र पर राज्य को आश्रित रहना पड़ता है।

झुंड से अलग होकर दंतैल हाथी पहुंचा चैतुरगढ़

कोरबा। कोरबा जिलान्तर्गत कटघोरा वन मंडल के जटगा रेंज में घूम रहा दंतैल हाथी चैतुरगढ़ पहाड़ी पर पहुंच गया है। दंतैल को क्षेत्र में विचरण करते हुए देखे जाने के बाद वन विभाग सतर्क हो गया है। आसपास के गांवों में मुनादी कराने के साथ ग्रामीणों को सतर्क करने का अभियान भी शुरू कर दिया गया है। कोरबा वन मंडल में हाथियों की संख्या 14 हो गई है। 3 हाथी धरमजयगढ़ वनमंडल से कुदमुरा रेंज पहुंचे हैं। वन विभाग ने आसपास गांवों में अलर्ट जारी कर दिया है। पाली रेंज के रतखंडी, पहाडगांव, जेमरा में लंबे समय बाद दंतैल हाथी के पहुंचने से ग्रामीणों में दहशत है। जानकारी के अनुसार ग्रामीणों ने सुबह जंगल के बीच खेत में हाथी के पद चिन्ह देखे। इसके बाद वन विभाग को इसकी सूचना दी। वन विभाग ने पुष्टि करने के बाद आसपास के गांवों में लोगों को सतर्क रहने मुनादी कराई है। कटघोरा वन मंडल में 53 से अधिक हाथी घूम रहे हैं। इनमें से दंतैल हाथी झुंड से अलग होकर घूम रहा है।

20 हजार लोगों ने ली बाल-विवाह रोकने की शपथ ; बनाया रिकार्ड

श्रीकंचनपथ समाचार

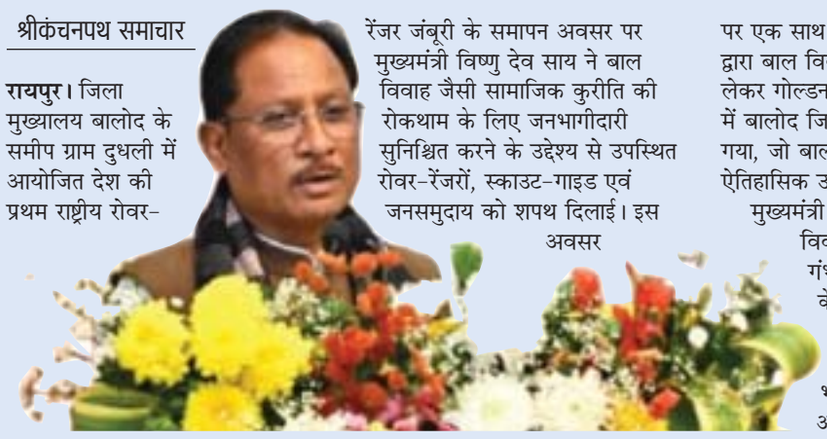

रायपुर। जिला मुख्यालय बालोद के समीप ग्राम दुधली में आयोजित देश की प्रथम राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति की रोकथाम के लिए जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपस्थित रोवर-रेंजरों, स्काउट-गाइड एवं जनसमुदाय को शपथ दिलाई। इस अवसर पर एक साथ 20 हजार से अधिक लोगों द्वारा बाल विवाह रोकथाम की शपथ लेकर गोल्डन बुक ऑफवर्ल्ड रिकार्ड्स में बालोद जिले का नाम दर्ज कराया गया, जो बालोद जिले के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बाल विवाह, समाज के लिए एक गंभीर चुनौती है। इसे रोकने के लिए केवल शासन ही नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय भूमिका आवश्यक है। उन्होंने आह्वान किया कि सभी लोग अपने घर, परिवार, रिश्तेदारों एवं आसपास के लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें और इसे जड़ से समाप्त करने में सहभागी बनें।

उपस्थितजनों ने संकल्प लिया कि वे बाल विवाह नहीं होने देंगे, इसकी सूचना प्रशासन को देंगे तथा समाज में जागरूकता फैलाएंगे। मुख्यमंत्री ने बाल विवाह मुक्त अभियान में उल्लेखनीय प्रयासों के लिए जिला प्रशासन की सराहना की तथा एक साथ 20 हजार लोगों के शपथ लेने पर कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड्स का प्रमाण पत्र प्रदान किया।

8 युवाओं और एक संस्था को छत्तीसगढ़ युवा रत्न सम्मान

राष्ट्रीय युवा दिवस पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले राज्य के आठ युवाओं तथा धमतरी जिले के युवा स्टार सेवा समिति खुरतुली को छत्तीसगढ़ युवा रत्न सम्मान प्रदान किया। सम्मानित होने वाले युवाओं में बेमेतरा के एस्ट्रोफिजिक्स में सबसे कम उम्र के वैज्ञानिक एवं पीएचडी छात्र तथा एनएएसओ ओलंपियाड में स्वर्ण पदक से सम्मानित पीयूष जायसवाल, सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली कांकेर की शिल्पा साहू, साहित्य के क्षेत्र से सरगुजा के अमित यादव, नवाचार के लिए महासमुंद की मृणाल विदानी तथा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए दुर्ग की परिधि शर्मा को सम्मानित किया। अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी बिलासपुर की संजू देवी को खेल, कवर्धा के सचिन कुनहरे को कला एवं संस्कृति और आरू साहू को लोककला में उत्कृष्ट कार्यों के लिए युवा रत्न सम्मान दिया।

राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर सूरजपुर जिले के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऑडिटोरियम में एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायी दृश्य देखने को मिला, जब जिले के 400 स्कूली विद्यार्थी स्वामी विवेकानंद की वेशभूषा में कार्यक्रम में शामिल हुए। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने इस दृश्य को अद्भुत बताते हुए कहा कि ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो स्वामी विवेकानंद की ऊर्जा मंच पर साकार हो उठी हो।

स्वामी विवेकानंद के विचारों से ही सशक्त, समरस और विकसित भारत का निर्माण संभव : लक्ष्मी राजवाड़े

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने राष्ट्रीय बाल दिवस के मौके पर कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचारों को आत्मसात कर ही सशक्त, समरस और विकसित भारत का निर्माण संभव है। उन्होंने युवाओं से सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी आचरण और नागरिक कर्तव्यों के पालन जैसे पंच परिवर्तन को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने में युवाओं की भूमिका सबसे अहम है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार युवाओं को शिक्षा, कौशल और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। शिक्षित, जागरूक और संस्कारवान युवा ही देश और प्रदेश का भविष्य तय करेंगे। श्रीमती राजवाड़े ने युवाओं से नशे से दूर रहने, राष्ट्र सेवा को जीवन का लक्ष्य बनाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान से जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान आत्मनिर्भर भारत और नशामुक्त भारत की शपथ भी दिलाई गई।

स्वामीजी के विचारों को अपना कर राष्ट्र निर्माण में आगे आएं युवा

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर युवाओं को 'राष्ट्रीय युवा दिवस' की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन और विचार आज भी भारत की युवाशक्ति के लिए ऊर्जा, दिशा और आत्मविश्वास का सबसे बड़ा स्रोत है। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को यह विश्वास दिया कि वे स्वयं अपने भविष्य के निर्माता हैं। उनके विचारों ने सेवा, आत्मबल और राष्ट्रप्रेम को जीवन का उद्देश्य बनाने की प्रेरणा दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज जब भारत अमृतकाल की ओर अग्रसर है, तब विवेकानंद जी की शिक्षाएँ युवाओं को जिम्मेदार, आत्मनिर्भर और राष्ट्रहित के प्रति सजग नागरिक बनने का मार्ग दिखाती हैं। छत्तीसगढ़ के लिए यह गौरव का विषय है कि स्वामी विवेकानंद का जीवन रायपुर से भी जुड़ा रहा है। यहां की धरती पर बिताया गया उनका समय प्रदेश की सांस्कृतिक चेतना और वैचारिक परंपरा को विशेष पहचान देता है। स्वामी विवेकानंद के विचार आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित करते रहेंगे और छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश के युवा उनके आदर्शों को अपनाकर समाज, राष्ट्र और मानवता की सेवा में अग्रणी भूमिका निभाएंगे।

प्राचीन संस्कृति और परम्पराओं को सहेजने का कार्य कर रहा है जनजातीय समाज : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। महर्षि वाल्मीकि आश्रम, आईटीआई रामपुर में आयोजित गौरा पूजा महोत्सव एवं बैगा पुजेरी सम्मेलन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल हुए। उन्होंने गौरा-गौरी पूजन तथा बैगा पुजारी सम्मेलन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आदिवासी समाज का अपना गौरवशाली इतिहास, विशिष्ट संस्कृति और परम्पराएं हैं। बैगा और पुजेरी समाज आज भी इन परम्पराओं के संरक्षण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने छत्तीसगढ़ का निर्माण इसलिए किया ताकि यहां की सर्वाधिक आबादी वाले आदिवासी समाज को आगे बढ़ाया जा सके। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनजातीय समाज का मान-सम्मान बढ़ाने के लिए 15 नवंबर शहीद बिरसामुंडा जयंती को जनजातीय गौरव दिवस घोषित करते हुए धरती आबा उत्कर्ष योजना प्रारंभ की। पीएम जनमन योजना के माध्यम से विशेष पिछड़ी जनजातियों को विकास के दायरे में लाने का कार्य किया जा रहा है। यह गर्व का विषय है कि आज आदिवासी समाज की बेटी, द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति पद पर आसीन हैं। छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री भी एक साधारण किसान परिवार से हैं।

साय ने महर्षि महेश योगी के योगदान को सराहा

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महर्षि महेश योगी की जयंती के अवसर पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि वे विश्वविख्यात आध्यात्मिक गुरु, दार्शनिक एवं योगाचार्य थे, जिन्होंने भावातीत ध्यान के माध्यम से भारत की प्राचीन वैदिक चेतना को वैश्विक पहचान दिलाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजिम के समीप पांडुका में जन्मे महर्षि महेश योगी ने भारतीय अध्यात्म को आधुनिक विज्ञान से जोड़ते हुए मानव कल्याण का नया मार्ग प्रशस्त किया।

मुख्यमंत्री शिक्षा एवं खेल प्रोत्साहन नीति रंग लाई : राष्ट्रीय मंच पर चमका सुकमा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा लागू मुख्यमंत्री शिक्षा एवं खेल प्रोत्साहन नीति के सकारात्मक परिणाम अब सुदूर वनांचल क्षेत्रों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। हरिद्वार में आयोजित डीएवी राष्ट्रीय खेल आयोजन-2025 में सुकमा जिले के तीन होनहार खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश को गौरवान्वित किया है।

6 से 8 जनवरी तक आयोजित इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल मुरतोंडा (सुकमा) के कक्षा सातवीं के छात्र शुभम जामी, सौरभ मरावी एवं फिरोज ने छत्तीसगढ़ जोन की अंडर-14 कबड्डी टीम का प्रतिनिधित्व किया। फाइनल मुकाबलों में छत्तीसगढ़ जोन की टीम ने देश के अन्य जोनों को पराजित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया और स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया।

सोमवार को विद्यालय परिसर में विजयी खिलाड़ियों का भव्य स्वागत किया गया। प्राचार्य अनिरुद्ध मिश्रा ने स्वर्ण पदक पहनाकर खिलाड़ियों का सम्मान करते हुए इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद जिले के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा सिद्ध की है। इस अवसर पर टीम के कोच एवं शारीरिक शिक्षा शिक्षक राकेश कुमार तथा कक्षा शिक्षक बलराम देवांगन का भी विशेष सम्मान किया गया।

विकास के साथ ही युवाओं के लिए खुलेंगे स्वरोजगार के द्वार : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बालोद जिले के नगर पंचायत मुख्यालय गुण्डरदेही में 233 करोड़ रुपये की लागत से 103 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इसमें 163.88 करोड़ के 61 कार्यों का भूमिपूजन तथा 69.82 करोड़ के 42 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री ने गुण्डरदेही में एक सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक भवन के लिए 1 करोड़ तथा प्रत्येक वार्ड में विकास कार्यों हेतु 1 करोड़ की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जिन विकास कार्यों का लोकार्पण शिलान्यास किया गया है, वे सिर्फ इमारतें नहीं, बल्कि अवसरों के नए द्वार हैं। उन्होंने कहा कि बनने वाले व्यावसायिक परिसर से युवाओं को स्वरोजगार और व्यापार के नए अवसर मिलेंगे, वहीं सड़क, पुल एवं अधोसंरचना के निर्माण से आवागमन सुगम होगा और आर्थिक गतिविधियों तेज होंगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र एवं राज्य सरकार हर वर्ग के समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। महतारी वंदन योजना से महिलाओं को आर्थिक संबल मिल रहा है, तेंदूपत्ता संग्राहकों को

उच्चतम समर्थन मूल्य दिया जा रहा है, और चरण पादुका योजना को पुनः प्रारंभ कर आदिवासी श्रमिकों को राहत पहुंचाई जा रही है। वनोपज के मूल्य संवर्धन से स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन को भी प्रोत्साहन मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि रामलला दर्शन योजना से आमजन को देश की संस्कृति और विरासत से जोड़ा जा रहा है। वहीं प्रभावी पुनर्वास नीति के चलते नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति लौट रही है और बस्तर अंचल में विकास की नई रोशनी फैल रही है। सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और संचार जैसी बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है।

इस अवसर पर सांसद भोजराज नाग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ तेजी से विकास की नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि बस्तर, जो कभी लाल आतंक के लिए जाना जाता था, अब शांति, प्रगति और समृद्धि के पथ पर आगे बढ़ रहा है और इससे आम नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय का स्थानीय व्यापारियों द्वारा लड्डुओं से तौलकर अभिनंदन किया गया।

कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने जिले की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की, जबकि नगर पंचायत अध्यक्ष श्री प्रमोद जैन ने स्वागत उद्बोधन में नगर की विकास आवश्यकताओं की जानकारी दी। इस अवसर पर अनेक जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

रायपुर में खुलेगा छत्तीसगढ़ के कृषि निर्यात का नया वैश्विक द्वार : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि रायपुर में कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण के क्षेत्रीय कार्यालय का शुभारंभ छत्तीसगढ़ की कृषि अर्थव्यवस्था को वैश्विक मंच से जोड़ने वाला ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि यह पहल प्रदेश के किसानों, एफपीओ और निर्यातकों को सीधे अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़कर राज्य की कृषि को नई ऊँचाई देगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इंडिया इंटरनेशनल राइस समिट के मंच से शुरू हुई यह पहल छत्तीसगढ़ को उच्च-मूल्य कृषि निर्यात के नक्शे पर मजबूती से स्थापित करेगी। जीआई टैग प्राप्त विशिष्ट चावल किस्में जैसे जीराफूल और नागरी दुबराज, साथ ही राज्य के अन्य कृषि एवं प्रोसेस्ड फूड उत्पाद अब वैश्विक बाजारों में नई पहचान बनाएंगे। किसानों को उपज का बेहतर मूल्य मिलने के साथ-साथ कृषि आधारित उद्यमों को भी बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। डबल इंजन सरकार किसानों की आय बढ़ाने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और हर खेत तक नए अवसर पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950